A Daily News Magazine
इंदौर
शनिवार, 27 जुलाई, 2024

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 276, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)

प्रसंगवश

अमेरिका : क्या कमला के कमाल से बदल जाएगा चुनावी हवा का रुख

अभिनय आकाश

21 जुलाई को जो बाइडेन ने राष्ट्रपति चुनाव से हटने का ऐलान कर दिया। वो डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से दावेदारी पेश कर रहे थे। नाम वापस लेने के बाद उन्होंने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को समर्थन दिया। इस फैसले की जानकारी उनके करीबी लोगों और स्टॉफ तक को नहीं था। और तो और कुछ घंटे पहले तक बाइडेन की टीम ये दावा कर रही थी कि वो रेस में बने हुए हैं और उनके पीछे हटने का कोई इरादा नहीं है। जो बाइडेन ने अचानक अपनी दावेदारी वापस क्यों ली, कमला हैरिस क्या ट्रंप को हरा सकती हैं और सबसे अहम इन सब का अमेरिका के चुनाव पर क्या असर पड़ेगा?

जनवरी 2021 में जो बाइडेन ने राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी। 78 साल की उम्र में इस शपथ के साथ ही वो अमेरिकी इतिहास में सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति में अपना नाम दर्ज करवा लिया। उनके कार्यकाल के आखिरी बरस में उनकी उम्र का असर दिखने लगा। जुबान लड़खड़ाने लगी और वो चीजों को भूलने लगे। फिर ये चर्चा तेज हो चली कि राष्ट्रपति पद के लिए अधिकतम उम्र की सीमा तय होनी चाहिए। लेकिन एक वक्त ऐसा भी था जब कम उम्र होने की वजह से उन्हें अमेरिकी संसद पहुंचने में देरी हुई थी। दरअसल, साल 1972 में बाइडेन ने पहली बार सीनेट का चुनाव जीता। जीतने के दो हफ्ते बाद वो तीस के हुए थे। सीनेटर बनने के लिए कम से कम उम्र 30 साल होनी चाहिए। जब तक बाइडेन शपथ लेते तभी सड़क हादसे में उनकी बेटी और पत्नी की मौत हो गई। तब बाइडेन ने राजनीति छोड़ने का मन बना लिया था। लेकिन उनके दोस्तों ने उन्हें मनाया। फिर 36 सालों तक सीनेट में रहे। दो बार राष्ट्रपति चुनाव में हाथ आजमाने की कोशिश सफल नहीं हो सकी। साल 2020 में नॉमिनेशन फाइल किया और फिर ट्रंप को हराकर राष्ट्रपति बने। इधर ट्रंप लगातार किसी न किसी वजह से खबरों में बने रहे। डेमोक्रेटिक पार्टी को प्राइमरी इलेक्शन में कोई बड़ी चुनौती नहीं मिली। अगस्त के महीने में नेशनल कन्वेंशन होने वाला था जिसमें बाइडेन की उम्मीदवारी पर मुहर लगने वाली थी। लेकिन इससे पहले ही वो पीछे हट गए।

डेमोक्रेटिक पार्टी का नेशनल कन्वेंशन 19 अगस्त को है। चुनाव में अब 105 दिन ही बचे हैं। इसलिए कमला हैरिस ने देशवासियों, खासकर डेमोक्रेट सदस्यों से दो-टूक अपील की, 'आइए, हम सभी एकजुट होकर लड़ें, मिलजुल मिलजुल कर चुनाव जीतें।' इस अपील का असर भी हुआ। डेमोक्रेट बहुल कैलिफोर्निया के गवर्नर गेवन न्यूसम ने उनके समर्थन की घोषणा कर दी। देखते ही देखते कमला हैरिस के समर्थन में एक दर्जन डेमोक्रेट बहुल राज्य और आ गए।

कैलिफोर्निया की अटॉर्नी जनरल रह चुकी हैं। उन्होंने उपराष्ट्रपति पद पर रहते हुए इमिग्रेशन और गर्भपात जैसे बड़े मुद्दों पर बड़ी सुर्खियां बटोरी हैं। इसके विपरीत डॉनल्ड ट्रंप चार आपराधिक मामलों में कसूरवार और 91 अदालती मामलों अभियुक्त रह चुके हैं। हालांकि ट्रंप को सभी मामलों में सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल चुकी है, लेकिन एक बड़ा वर्ग आज भी उनके वैयक्तिक चाल-चलन से नाखुश है। जिन चार राज्यों के गवर्नर चुनावी राजनीति में आगे आना चाहते हैं, वे सभी लोकप्रियता में कमला हैरिस से बहुत पीछे है। इसके बावजूद शीर्षस्थ डेमोक्रेट बराक ओबामा सहित सीनेट और प्रतिनिधि सभा के नेता कमला का समर्थन नहीं कर पाए।

बाइडेन द्वारा हैरिस के समर्थन ने डेमोक्रेट्स को उत्साह से भर दिया है। पूर्व स्पीकर नैन्सी पेलोसी सहित वरिष्ठ हस्तियों द्वारा उनके लिए समर्थन बढ़ाना इस बात का संकेत है कि पार्टी ने ट्रम्प के खिलाफ जाने के लिए उन पर भरोसा किया है। डेमोक्रेटिक पार्टी के अग्रणी उम्मीदवार ने बाइडेन के पीछे हटने के बाद 36 घंटों में दान में 100 मिलियन डॉलर से अधिक जुटाए हैं। हैरिस इस दौड़ में सबसे युवा उम्मीदवार हैं, क्योंकि बाइडेन की उम्र जैसी चिंता उन पर लागू नहीं होती है। द हिल एंड डिसीजन डेस्क मुख्यालय (डीडीएचक्यू) द्वारा बनाए गए वोटिंग पर्सेंट के अनुसार, 53 प्रतिशत अमेरिकी ट्रम्प को अनुकूल रूप से नहीं देखते हैं। फाइव थर्टी एट मतदान के अनुसार, जो बाइडेन के बाहर होने से पहले आयोजित किया गया था, लगभग 51 प्रतिशत अमेरिकियों ने हैरिस को अस्वीकार कर दिया, जबकि 38 प्रतिशत ने अनुमोदन किया। यह नापसंदगी ट्रंप के लिए अधिक थी, जिन्हें 53 प्रतिशत अमेरिकियों ने पसंद नहीं किया, जबकि 39 प्रतिशत ने उनका समर्थन किया।

गर्भपात का मुद्दा भी हैरिस को ट्रम्प पर बढ़त देता है, जिन्होंने सुप्रीम कोर्ट द्वारा रो वी वेड को पलटने का एकमात्र श्रेय लिया था। जहां भी गर्भपात के अधिकार मतपत्र पर थे, डेमोक्रेट्स ने राज्य चुनाव जीते हैं, यहां तक कि कंसास और केंटकी जैसे रूढ़िवादी राज्यों में भी। ट्रम्प को इसका एहसास हो गया है और उन्होंने गर्भपात के खिलाफ अपनी बयानबाजी कम कर दी है। अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति हो सकती हैं। उम्मीद की जाती है कि वह प्रजनन अधिकारों को अपने प्रमुख चुनावी मुद्दों में से एक बनाएंगी और इस मुद्दे पर ट्रम्प को आड़े हाथों लेंगी। उनका संभावित डेमोक्रेटिक नामांकन भी ऐतिहासिक है क्योंकि वह अमेरिका की पहली अश्वेत महिला राष्ट्रपति बन सकती हैं। यदि वह नवंबर की दौड़ जीत जाती हैं, तो वह एशियाई विरासत की पहली अमेरिकी राष्ट्रपति होंगी।

उपराष्ट्रपति को वह धनराशि भी विरासत में मिली है जो संभावित उम्मीदवार के रूप में पद छोड़ने से पहले जो बाइडेन को दान की गई थी। पार्टी के कई समर्थकों और स्वयंसेवकों ने 81 मिलियन डॉलर का दान दिया, जिसे छोटे डॉलर का दान बताया जा रहा है। उनकी अभियान टीम को बड़े दानदाताओं से 150 मिलियन डॉलर का दान भी मिला। इसे अमेरिका के इतिहास में 24 घंटे के अंदर मिला अब तक का सबसे ज्यादा दान बताया जा रहा है। कुल 231 मिलियन डॉलर की यह राशि बाइडेन द्वारा अपना चुनाव अभियान समाप्त करने के फैसले के 24 घंटे के भीतर प्राप्त हुई है।

यदि ट्रम्प अलोकप्रिय हैं, तो हैरिस भी अलोकप्रिय हैं। द हिल/डीडीएचक्यू मतदान औसत के अनुसार, हैरिस राष्ट्रीय स्तर पर ट्रम्प से लगभग 3 प्रतिशत अंक पीछे हैं। औसत से पता चलता है कि उनकी अस्वीकृति रेटिंग 56 प्रतिशत थी, जबकि केवल 38 प्रतिशत अमेरिकियों ने उन्हें अनुकूल रूप से देखा था। जैसा कि द हिल ने कहा, इसका मतलब यह है कि उनकी उम्मीदवारी के लिए डेमोक्रेटिक उत्साह ज़मीनी मतदाताओं के बीच दोहराया नहीं गया है। एक महिला राष्ट्रपति, वह भी एक अश्वेत महिला, को चुनने के प्रति मतदाताओं का पूर्वाग्रह, हैरिस की संभावनाओं को नुकसान पहुंचा सकता है।

(प्रभासाक्षी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

झमाझम बारिश से बेहाल हुए महाराष्ट्र और गुजरात

- महाराष्ट्र के पुणे में 57 साल बाद 114 एमएम बारिश
- गुजरात के 10 जिलों में बाढ़, सूरत में 1 लाख लोग फंसे
- एमपी-यूपी और छत्तीसगढ़ में भी बारिश का सितम जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के कई जिलों में तेज बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। राज्य के 18 जगहों पर एनडीआरएफ और मुंबई, ठाणे, रायगढ़, पालघर, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, सातारा और सांगली में एसडीआरएफ की तैनाती की गई है। पुणे में 24 घंटे में 114 मिमी बारिश हुई। यह 66 साल में तीसरा हाईएस्ट रहा। इससे पहले 19 जुलाई 1958 को 24 घंटे में 130.4 मिमी और 27 जुलाई 1967 को 117.9 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। यहां रेड अलर्ट जारी किया गया है। स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। इसके अलावा रायगढ़ और रत्नागिरी में मुंबई यूनिवर्सिटी के कॉलेजों में परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। उधर, गुजरात में तेज बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं। यहां 10 से ज्यादा जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। सूरत में 24 घंटे में 5 इंच बारिश से मीठी और काकरा खाड़ी नदियां ओवरफ्लो हो रही हैं। यहां बाढ़ से करीब 1 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। वहीं, 955 लोगों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट किया गया है। इसके अलावा, दिल्ली में देर रात और सुबह तेज बारिश हुई।

वरिष्ठ भाजपा नेता प्रभात झा का गुरुग्राम के अस्पताल में निधन

आज बिहार के पैतृक गांव में होगा अंतिम संस्कार

भोपाल (नप्र)। बीजेपी के सीनियर लीडर और पूर्व मध्यप्रदेश अध्यक्ष प्रभात झा का निधन हो गया है। गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में शुक्रवार सुबह 5 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। 67 वर्षीय झा लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनके बेटे अयत्न ने कहा कि अंतिम संस्कार शनिवार दोपहर 3 बजे बिहार के सीतामढ़ी जिले

के कोरियाही गांव में होगा। प्रभात झा को करीब 26 दिन पहले भोपाल के एक निजी अस्पताल से एयरलिफ्ट कर गुरुग्राम ले जाया गया था।

एक नजर प्रभात झा के जीवन पर..- प्रभात झा मूल रूप से बिहार के रहने वाले थे। उनका जन्म 4 जून 1957 को बिहार के दरभंगा के हरिहरपुर गांव में हुआ था। वे परिवार के साथ मध्यप्रदेश के ग्वालियर आ गए थे। प्रारंभिक शिक्षा के बाद प्रभात झा ने ग्वालियर के पीजीवी कॉलेज से बीएससी, माधव कॉलेज से राजनीति शास्त्र में एमए और एमएलबी कॉलेज से एलएलबी की डिग्री ली। उनकी शादी रंजना झा से हुई थी। दो बेटे हैं। बड़े बेटे तुष्मुल और छोटे अयत्न झा हैं।

शादी के बाद वे पत्रकारिता करने लगे। लंबे समय तक पत्रकारिता के बाद वे राजनीति में आए और बीजेपी के सदस्य बने। 8 मई 2010 से 16 दिसंबर 2012 तक बीजेपी के मध्यप्रदेश अध्यक्ष रहे। 2008 में पहली और 2014 में दूसरी बार राज्यसभा के लिए चुने गए। उन्होंने कई किताबें भी लिखी थीं।

प्रभात झा के बेटे तुष्मुल ने सोशल मीडिया पर लिखा- जिस सुबह का डर पिछले 20 दिन से था, आखिर वह सुबह आज आ ही गई। मेरे बाबा शुक्रवार सुबह 4 बजकर 20 मिनट पर अनंत लोक प्रस्थान कर गए। तुष्मुल और अयत्न को अकेला छोड़ गए।

लौटा दी थी माल्या की 'लिकर' गिफ्ट

वरिष्ठ पत्रकार देवश्री माली ने बताया कि प्रभात झा कई कारणों से चर्चाओं में रहे। अक्टूबर 2009 में लिकर किंग विजय माल्या (तत्कालीन राज्यसभा सदस्य) ने उनके घर बतौर तोहफा शराब की बोतल भेजी थी। झा ने बोतल लौटाते हुए पत्र लिखा, 'मेरा आपसे न तो कोई परिचय है और न ही मेरे आपके अंतरंग संबंध हैं। मैं शराब का शौकीन भी नहीं हूं। आपने शराब की जगह कोई किताब भेजी होती तो अच्छा होता।' उन्होंने यह पत्र सार्वजनिक भी किया। इसकी देश-विदेश के मीडिया में चर्चा भी हुई थी।

प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री समेत कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

प्रभात झा के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ समेत सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की है।

मध्यप्रदेश के विकास में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका सदैव हमें प्रेरित करेगी : सीएम यादव

भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, वरिष्ठ नेता आदरणीय श्री प्रभात झा जी के निधन का अत्यंत दुखद समाचार प्राप्त हुआ। बाबा महाकाल दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिजनों को इस भीषण वज्रपात को सहने की शक्ति दें। मध्यप्रदेश के विकास में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका सदैव हमे प्रेरित करेगी। आपका निधन राजनैतिक जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

भारतीय सेना, दुनिया की बेहतरीन सेनाओं में से एक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

हथियारों के आगे भी होता है हौसला जो दिलवाता है जीत

- कारगिल की विजय, भारतीय सेना के शौर्य की पहचान
- मुख्यमंत्री ने कारगिल विजय के रजत जयंती वर्ष पर शहीद स्तंभ भारत माता की प्रतिमा को नमन किया
- शौर्य स्मारक में भारतीय सेना के टी-55 टैंक का लोकार्पण भी किया

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कारगिल विजय दिवस और रजत जयंती वर्ष पर भोपाल के शौर्य स्मारक में भारत माता की प्रतिमा पर नमन किया। डॉ. यादव ने शौर्य स्तंभ पहुंचकर शहीदों को नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शौर्य स्मारक परिसर में स्थापित सेना के टी-55 टैंक का लोकार्पण भी किया। शौर्य स्मारक में अब आमजन भी इस टैंक को देख सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने द्रोणाचार्य सभागार में कारगिल युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि दी और कार्यक्रम को संबोधित किया। राजधानी भोपाल में कारगिल विजय दिवस पर हुए मुख्य कार्यक्रम में आज शौर्य स्मारक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के पहुंचने पर एनसीसी कैडेट्स ने गार्ड्स

ऑफ ऑनर दिया। जनरल ऑफिसर कमांडिंग सुदर्शन चक्र कोर, श्री प्रीतपाल सिंह, एनसीसी के मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के अतिरिक्त महानिदेशक मेजर जनरल अजय कुमार के साथ ही 21 कोर भोपाल के अनेक अधिकारी भी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सेना एवं एनसीसी के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कारगिल विजय से हमारी सेना ने एक नया इतिहास रचा। यह विजय भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम की पहचान है। युद्धों में कई बार हथियारों के आगे सेना का हौसला महत्वपूर्ण होता है, जो जीत की ओर ले जाता है। पराक्रम भारत की पहचान रही है। दुश्मन हमारे देश में विभिन्न कारणों और तरीकों से नष्ट- भ्रष्ट करने के उद्देश्य से आते हैं, लेकिन हमारे शौर्य के आगे वे टिक नहीं पाते। मिस्र और रोम जैसी पुरानी सभ्यताएं खत्म हो गईं। लेकिन भारत की हस्ती मिटती नहीं है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वतंत्रता के पश्चात भारत और पाकिस्तान दो राष्ट्र बने। आज दोनों राष्ट्रों की तुलना करें, तो हम देखते हैं कि भारत की अच्छाईयां अलग स्थान दिलाती हैं। दोनों देशों के बीच 1965 और 1971 के बाद 1999 में युद्ध हुए। जब अटल जी प्रधानमंत्री थे, पड़ोसी ने आंखों में धूल झोंकी। भारत पड़ोसी धर्म का निर्वहन कर रहा था। हमने सदैव ही अपनी सीमाओं और मर्यादा को समझा है। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अतीत को देखते हुए समझा है कि पड़ोसी कैसे हैं और उनसे किस तरह व्यवहार करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कारगिल युद्ध में पाकिस्तान की पराजय हुई। आज भारत शत्रु के दुस्साहस का उत्तर उसके घर में घुसकर दे सकता है। भारतीय सेना दुनिया की बेहतरीन सेनाओं में से एक है, जो दुश्मन से निपटना जानती है। कारिगल शहीद सैनिकों को राष्ट्र कभी नहीं भुलाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को कारगिल विजय दिवस की बधाई देते हुए युद्ध के शहीदों को नमन किया।

600 साल पुरानी असम की धरोहर को मिली यूनेस्को में जगह

- हेरीटेज लिस्ट में किया गया शामिल, पीएम मोदी ने जताई खुशी
- अहोम राजवंश के 'मोइदम्स' को विश्व धरोहर सूची में जगह

गुवाहाटी (एजेंसी)। यूनेस्को ने असम में अहोम राजवंश के 'मोइदम्स' को विश्व धरोहर सूची में शामिल कर लिया है। नई दिल्ली में आयोजित विश्व धरोहर समिति के

46वें सत्र में इसे यूनेस्को की विरासत सूची में शामिल करने करने का फैसला किया गया। भारत सरकार पिछले 10 साल से इसे विरासत सूची में शामिल करने का प्रयास कर रही थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मोइदम्स' के विश्व विरासत घोषित होने पर खुशी जताई है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विस्व सरमा ने इस उपलब्धि के लिए पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र शेखावत का आभार जताया है। 'मोइदम्स' नॉर्थ ईस्ट भारत की पहली सांस्कृतिक संपत्ति है, जिसे यूनेस्को की विरासत सूची में जगह मिली है। 'मोइदम्स' असम के अहोम राजवंश की परंपरा से जुड़ा है, जिसने असम में लगभग 600 साल तक शासन किया था।

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

लौट आना वहाँ से
जहाँ से लौटना मुश्किल है
मोड़ के उस मुहाने से
जहाँ चेहरे धुँधला जाए
दूरी की उस पगडंडी से
जहाँ आवाज़ खो जाए
दिल के उस हिस्से से
जहाँ कुछ न हो महसूस
लौट आना
कि एक उम्र बाद सबको लौटना ही है
अच्छा है वक्त रहते लौटना
देर से आना दुरूस्त हो ज़रूरी नहीं
देर होने पर अंधेरा घिरने का भय रहता
अंधेरे में राह भूलने का ख़तरा
ग़लत पते पर पहुँचने से पहले लौट आना
लौट आना
कि लौटना हमेशा पहला विकल्प होता है
बाक़ी विकल्प मिलने के बाद
पहला अक्सर छूट जाता
पहला विकल्प जैसे पहला प्यार
जो आख़िर में सालता है सबसे ज़्यादा
उस अंतिम से पहले लौट आना
लौट आना
इससे पहले कि लिखा मिले
आगे जाने के सभी रास्ते बंद हैं
यहाँ प्रवेश निषेध है
ये सड़क कहीं नहीं पहुँचाती
सड़कें जब पहुँचाना बंद कर दे
उस राह से पहले लौट आना
लौट आना
इससे पहले कि मैं कहूँ
अब तुम्हारे लौटने न लौटने से
कोई फ़र्क नहीं पड़ता।

- श्रुति कुशवाहा

भोपाल का तापमान

अधिकतम 38.5 °c

न्यूनतम 33°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शनिवार,27 जुलाई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

धर्म परिवर्तन सर्टिफिकेट में नाम बदलना होगा जरूरी

● केरल हाईकोर्ट बोला-व्यक्ति को एक धर्म से नहीं बांध सकते,यह संवैधानिक गारंटी है

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल हाईकोर्ट ने गुरुवार को धर्म परिवर्तन से जुड़े एक मामले में सुनवाई की। इसमें कहा- एजुकेशन सर्टिफिकेट में जाति या धर्म परिवर्तन की मांग को इसलिए नहीं ठुकराया जाना चाहिए क्योंकि इसके लिए कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। जस्टिस

वीजी अरुण ने कहा कि धर्म परिवर्तन के बाद संस्थानों को सर्टिफिकेट में आवश्यक सुधार करने होंगे। उन्होंने कहा भले ही स्कूल सर्टिफिकेट में धर्म परिवर्तन के आधार पर नाम बदलने का कोई नियम नहीं है। इसका मतलब ये नहीं है कि किसी व्यक्ति को उसके जन्म के आधार पर किसी एक धर्म से बांध दिया जाए। हाईकोर्ट ने कहा कि संविधान के आर्टिकल 25 (1) के तहत किसी भी व्यक्ति को अपनी पसंद का कोई भी धर्म अपनाने की गारंटी दी गई है। अगर कोई व्यक्ति इस आजादी का प्रयोग करके किसी अन्य धर्म को अपनाता है तो उसके दस्तावेजों में सुधार करना जरूरी है।

कांग्रेस का मोहरा बन चुके हैं अखिलेश, 2027 भी जीतेगी बीजेपी

● यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का सपा नेता पर सख्त पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के बाद से उत्तर प्रदेश की राजनीति से जुड़ी अलग-अलग खबरें सामने आ रही हैं। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और अखिलेश यादव के बीच बयानों के जरिए खींचतान जारी है। अखिलेश यादव ने सुबह एक बयान देते हुए केशव प्रसाद मौर्य को मोहरा कहा था। पलटवार करते हुए केशव

प्रसाद मौर्य ने कहा कि 'अखिलेश यादव खुद कांग्रेस का मोहरा हैं,वह अपनी पार्टी को संभालने पर ध्यान दें, बीजेपी 2017 की तरह 2027 भी जीतेगी।' उत्तर प्रदेश बीजेपी में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। पिछले दिनों केशव प्रसाद मौर्य और सीएम योगी के बीच तल्खी की अटकलें लगाई जाने लगी थीं। तब केशव प्रसाद मौर्य ने कहा था कि संगठन से बड़ा कुछ नहीं होता है। ऐसा माना गया कि उनका यह बयान सीएम योगी पर निशाना था। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीजेपी के अंदरखाने चल रहे मामले पर लागातार बयान देना शुरू किया और ताजा बयान 'केशव पर है।

'हम हिंदू नहीं हैं' कहने वाली आदिवासी महिला टीचर सस्पेंड

● विवाद बढ़ने के बाद मेनका डामोर पर सख्त हुई राजस्थान सरकार

जयपुर/डूंगरपुर (एजेंसी)। राजस्थान में आदिवासी हिंदू है या नहीं, इस मुद्दे को लेकर सियासत लगातार गर्म है। इस बीच बीते दिनों मानगढ़ में आयोजित आदिवासियों की महारैली में एक महिला टीचर ने विवादित बयान दिया। इसके बाद उसे शिक्षा विभाग ने सस्पेंड कर दिया

है। इसमें महिला टीचर मेनका डामोर ने रैली में आदिवासी परिवार की महिलाओं को कहा कि हम हिंदू नहीं है, हम सिंदूर नहीं लगाते है, मंगलसूत्र नहीं पहनते हैं। इसको लेकर आदिवासी समाज की महिलाओं ने आपत्ति जताई। इसके बाद शिक्षा विभाग ने बड़ा एक्शन लेते हुए महिला टीचर को सस्पेंड कर दिया है। महिला टीचर पर राजस्थान आचरण नियम और शिक्षा विभाग की छवि को खराब करने का आरोप लगा है। राजस्थान में आदिवासियों के हिंदू हैं या नहीं मुद्दे को लेकर लगातार बहस छिड़ी हुई। इसको लेकर बीते दिनों विधानसभा में भी काफी बवाल हुआ। बीते दिनों 19 जुलाई को महिला टीचर मेनका डामोर ने रैली में आदिवासी महिलाओं को विवादित बयान दिया।

अब कलाम के जरिए पसमांदा मुस्लिमों को साधने की कोशिश

● पूर्व राष्ट्रपति की आज पुण्यतिथि मनाएगी बीजेपी, देशभर में कार्यक्रम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कल 27 जुलाई को पूर्व राष्ट्रपति और अंतरिक्ष वैज्ञानिक एपीजे अब्दुल कलाम की नौवीं पुण्यतिथि है। इस अवसर पर बीजेपी बड़े स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी में है। पार्टी का अल्पसंख्यक मोर्चा 27 जुलाई को कलाम की नौवीं पुण्यतिथि के अवसर पर देशभर में कैंपेन शुरू करेगा। भाजपा के

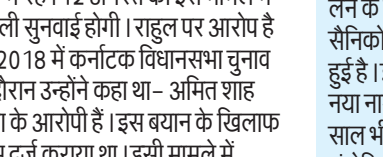

अल्पसंख्यक मोर्चा के जमाल सिद्दीकी ने कहा है कि इस कैंपेन में जिला स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से पसमांदा मुस्लिमों के आदर्श कलाम को श्रद्धांजलि दी जाएगी। कल 27 जुलाई को कलाम स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। इस मौके पर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है। इसी तरह के कार्यक्रम पूरे देश में जिला स्तर पर आयोजित किए जाएंगे, जहां कलाम की प्रतिमाओं और तस्वीरों पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी।

कांवड़ रूट पर नाम लिखने वाली रोक रहेगी जारी

● यूपी सरकार की दलील सुप्रीम कोर्ट ने कर दी खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली बॉर्डर से हरिद्वार तक कांवड़ यात्रा के रूट पर रेस्तरां, ढाबों को मालिक का नाम लिखने के आदेश पर लगी सुप्रीम कोर्ट की रोक जारी रहेगी। अदालत ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान अंतरिम रोक बने रहने का आदेश दिया। यह आदेश उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के लिए जारी किया गया है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिले कांवड़ रूट पर आते हैं। यहां आदेश दिया जारी किया गया था कि रूट पर पड़ने वाले ढाबे, रेस्तरां और अन्य खाने पीने की दुकानों के मालिक अपना नाम एक बोर्ड पर जरूर लिखें। इसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया था और अब उस रोक को जारी रखा है। यह आदेश 5 अगस्त तक जारी रहेगा और उसी दिन अगली सुनवाई होनी है। वहीं

शुक्रवार की सुनवाई से पहले यूपी सरकार ने नाम लिखे जाने के आदेश को सही ठहराते हुए एफिडेविट दिया था कि ऐसा इसलिए किया गया ताकि शांति बनी रहे। यूपी सरकार ने कहा कि हम लोगों की आस्था का सम्मान करना चाहते हैं। इसलिए यह आदेश दिया गया। इसके अलावा कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भी ऐसा हुआ था। योगी सरकार की इस दलील को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। इसके अलावा अदालत ने कांवड़ यात्रा के रूट पर नाम लिखे जाने वाले आदेश के समर्थन में दाखिल अर्जी को भी खारिज कर दिया। कोर्ट ने इस पर सुनवाई से ही इनकार कर दिया। इस अर्जी में कहा गया था कि यह आदेश सही है और धार्मिक मान्यता के अधिकार और स्वतंत्रता को बनाए रखने वाला है। यूपी सरकार की ओर से पेश सीनियर वकील मुकुल रोहतगी ने यूपी सरकार का पक्ष रखा।

तुगलक रोड नहीं, अब दूसरी जगह शिफ्ट होंगे राहुल !

जल्द बदलने वाला है पता,बहन प्रियंका ने जाकर देखा नया बंगला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के घर का पता बदलने वाला है। इस बात की चर्चा जोरों पर है कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी को लुटियंस दिल्ली में ही नया बंगला दिया जाएगा। आज यानी शुक्रवार को राहुल गांधी की बहन प्रियंका गांधी ने खुद जाकर नया बंगला देखा। बता दें कि इससे पहले राहुल गांधी का निवास स्थान 12, तुगलक लेन, नई दिल्ली था। अब खबरें हैं कि राहुल गांधी को सुनहरी बाग में बंगला नंबर 5 आवंटित किया गया है। पिछले साल मानहानि के एक मुकदमे में लोकसभा सांसदी से अयोग्य ठहराए जाने के बाद राहुल गांधी को 12 तुगलक लेन स्थित बंगला खाली करना पड़ा था। अगस्त में, सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के बाद जब उनकी संसद सदस्यता बहाल की गई थी तब उनको वापस वही बंगला आवंटित किया गया। हालांकि

राहुल ने सरकारी आवास नहीं लिया था। राहुल गांधी 19 साल तुगलक लेन में रहे। शुक्रवार को कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा नई दिल्ली के सुनहरी बाग स्थित बंगला नंबर 5 को देखने पहुंची थीं। खबरों के मुताबिक केंद्र सरकार ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को यही घर ऑफर किया है। बंगले के आवंटन की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

सुल्तानपुर में राहुल गांधी ने की चप्पल की सिलाई

मोची की दुकान पर पहुंचे,पूछा-जूता कैसे बनाते हो

सुल्तानपुर/लखनऊ (एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह की मानहानि केस में राहुल गांधी शुक्रवार को सुल्तानपुर की कोर्ट में पेश हुए। यहां उन्होंने बयान दर्ज कराए। जज से कहा- मैं निर्दोष हूं। मेरे खिलाफ राजनीतिक साजिश हुई है। मैं सारे आरोपों से इनकार करता हूं। मेरी और मेरी पार्टी की छवि को धूमिल करने के लिए आरोप लगाए गए हैं। लखनऊ लौटते समय राहुल ने सुल्तानपुर में अचानक मोची की दुकान पर अपना काफिला रुकवा लिया। गाड़ी से उतरकर मोची चैतराम की दुकान पर गए। चप्पल की सिलाई

की और उनसे पूछा कि जूते कैसे बनाते हो। करीब 5 मिनट तक चैतराम से बातचीत के बाद राहुल वहां से निकल गए। इससे पहले, राहुल 16 मिनट तक कोर्ट रूम में रहे। 12 अगस्त को इस मामले में अगली सुनवाई होगी। राहुल पर आरोप है कि 2018 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान उन्होंने कहा था- अमित शाह हत्या के आरोपी हैं। इस बयान के खिलाफ सुल्तानपुर में भाजपा नेता विजय मिश्रा ने 2018 में मानहानि का केस दर्ज कराया था। इसी मामले में सुनवाई हुई। चैत राम मोची ने बताया कि राहुल गांधी ने कोई सामान नहीं खरीदा। अपने लिए कुछ नहीं बनावाया। जो जूते बना रहा था, उसे छूकर देखा। पूछा- कैसे बनाते हो। उन्होंने एक चप्पल की सिलाई की। चैत के बेटे राघव ने बताया कि राहुल गांधी से मिलकर अच्छा लगा।

चीन सीमा के पास ही भारतीय सेना करेगी युद्धाभ्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना की एक टुकड़ी गुरुवार को बहुदेशीय सैन्य अभ्यास के लिए मंगोलिया रवाना हुई। यह सैन्य अभ्यास 27 जुलाई से 9 अगस्त के दौरान उलानबातर में होगा, जिसमें भारत और मंगोलिया समेत कई देशों की सेनाएं शामिल होंगी। यह सैन्य अभ्यास चीन की सीमा से करीब 1000 किलोमीटर की ही दूरी पर है, जिस पर उसकी भी निगाहें होंगी। इस अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए 40 भारतीय सैनिकों की एक टुकड़ी रवाना हुई है। इस सैन्य अभ्यास को नया नाम दिया गया है। बीते साल भी जुलाई के दौरान मंगोलिया में यह अभ्यास हुआ था। इस सैन्य अभ्यास में कई देशों की सेनाएं शामिल होंगी।

पहले भिंडरावाले को खड़ा किया अब अमृतपाल सिंह का समर्थन

लोकसभा में कांग्रेस सांसद चन्नी के बयान पर भड़की भाजपा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने अमृतपाल सिंह को लेकर गुरुवार को लोकसभा में कुछ ऐसा कह दिया कि इससे राजनीतिक बखेड़ा खड़ा हो गया है। चन्नी ने दावा किया कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने विवादास्पद खडूर साहिब के सांसद अमृतपाल सिंह की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया है। इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा सांसद रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि चन्नी देशद्रोही की तरह व्यवहार कर रहे हैं। बिट्टू की लोकसभा में पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री के साथ तीखी नोकझोंक हुई। बिट्टू ने कहा,एक पूर्व सीएम देशद्रोही की तरह व्यवहार कर रहे हैं और सदन के माध्यम से पूरे देश को गुमराह कर रहे हैं। चन्नी ने कहा कि किसानों पर एनएसए

लगाया गया है लेकिन यह किस पर लगाया गया है - यह उन पर लगाया गया है जो देश और पंजाब को तोड़ना चाहते थे। चन्नी का ये कहना कि किसानों के खिलाफ एनएसए लगाया गया है और यह गलत है। एक पूर्व सीएम ने देश और पंजाब को तोड़ने की बात कही है। कांग्रेस और राहुल गांधी उनके सामने बैठे थे और उनसे यह कहलवा रहे थे।

अग्निवीर पर विपक्ष झूठ फैला रहा इसका मकसद सेना को युवा बनाना

करगिल (एजेंसी)। कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी ने लद्दाख में 1999 की जंग के नायकों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने करीब 20 मिनट के संबोधन में पाकिस्तान, आतंकवाद, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अग्निपथ योजना और विपक्ष पर

बात की। प्रधानमंत्री ने कहा- डिफेंस सेक्टर में रिफार्म्स के लिए भारतीय सेनाओं की सराहना करता हूं। उन्होंने कई साहसी फैसले लिए। इसमें अग्निपथ योजना भी शामिल है। दशकों तक संसद में सेनाओं को युवा बनाने पर चर्चा होती रही है लेकिन हमने इस पर काम किया। कुछ लोगों ने इसे राजनीति का विषय बना दिया। प्रधानमंत्री के बयान पर कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- मोदी कह रहे हैं कि उनकी सरकार ने सेना के कहने पर अग्निपथ योजना लागू की। यह झूठ है। यह सेना का अपमान है। यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है कि पीएम मोदी कारगिल विजय दिवस के मौके पर ओछी राजनीति कर रहे हैं। इससे पहले किसी भी प्रधानमंत्री ने ऐसा नहीं किया।

तीन महीने में ही राज ठाकरे ने एनडीए से की दोस्ती खत्म

शिंदे सरकार से भी रूठे, अकेले चुनाव लड़ने का कर दिया ऐलान

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में जैसे-जैसे विधान सभा चुनाव नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे सियासी दोस्ती और दुश्मनी की तस्वीर साफ होती दिख रही है। लोकसभा चुनावों में बीजेपी के अगुवाई वाले एनडीए गठबंधन का बिना शर्त समर्थन साथ देने वाले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे अब अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। महायुति गठबंधन से उनकी दोस्ती अब खत्म हो चली है। कुछ दिनों पहले ही उनकी पार्टी ने बीजेपी से महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों

में 20 सीटें देने की मांग की थी लेकिन बीजेपी की तरफ से इस पर कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिल सका। ऐसी चर्चा है कि अब राज ठाकरे की पार्टी अब राज्य की 225 विधान सभा सीटों पर उम्मीदवार उतार सकती है। राज्य में कुल 288 विधानसभा सीटें हैं और अक्टूबर में चुनाव होने की संभावना है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना नेता प्रकाश महाजन ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य विधानसभा चुनाव में 200 से 225 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी।

संगीत मंथनः रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय द्वारा दो दिवसीय संगीत कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

संगीत भारत की पहचान हैः डॉ. भरत शरण सिंह

● संगीत ब्रह्मांडीय एकता को अनुभव करने का बड़ा आधार हैः संतोष चौबे

भोपाल। रबीन्द्रनाथ टैगौर विश्वविद्यालय भोपाल द्वारा मानविकी एवं उदार कला संकाय तथा टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केन्द्र के सौजन्य से दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का भव्य शुभारंभ हुआ। 'संगीत मंथन' विषय पर आयोजित इस कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि डॉ. भरत शरण सिंह, अध्यक्ष, मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग भोपाल, विशिष्ट अतिथि मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी के अध्यक्ष श्री अशोक कड़ैल, वरिष्ठ संगीत मनीषी पं. किरण देशपांडे, महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय हरियाणा के कुलगुरु प्रो. रमेश चंद्र भारद्वाज, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुलगुरु प्रो. साहित्य कुमार नाहर, प्रसिद्ध गायक एवं संगीतकार पद्मश्री उमाकांत गुंदेचा उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे ने की। वहीं विश्वविद्यालय की प्रो चांसलर डॉ अदिति चतुर्वेदी वत्स, प्रसिद्ध शिक्षाविद प्रो. अमिताभ सक्सेना, कुलसचिव डॉ. विजय सिंह भी विशेष रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर संगीत पर एकाग्र कविताओं का संकलन अनुनाद, मारीशस में आयोजित होने वाले विश्वरंग 2024 के पोस्टर और विश्वविद्यालय के न्यूज लेटर का लोकार्पण अतिथियों द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह का गरिमामय संचालन टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केन्द्र के निदेशक एवं संगीत कार्यशाला के समन्वयक श्री विनय उपाध्याय ने किया। स्वागत उद्बोधन एवं कार्यक्रम की रूपरेखा डॉ रुचि मिश्रा तिवारी, डीन मानविकी एवं उदार कला संकाय ने रखी।

इस अवसर पर डॉ. भारत शरण सिंह ने कहा कि आज भारत को भारतीय दृष्टि से देखना प्रारंभ कर दिया गया है। भारतीय ज्ञान परंपरा को भारतीय ज्ञान संपदा कहना चाहिए। भारत का विकसित होना समूचे विश्व के लिए फायदेमंद होगा। संगीत मन मस्तिष्क को शांति देने वाला है। संगीत के अनेकों प्रकार हैं। छोटे बच्चों को सुलाने के लिए लोरी के रूप में भी संगीत है। भारतीय संगीत की महिमा अपने आप में अनूठी है। संगीत तो अपने आप में सब कुछ समेटा हुआ है। गांव-गांव में संगीत है। यही भारत की पहचान भी है। भारतीय ज्ञान परंपरा के इसी कॉम्पोनेंट को हमें बटोरना है ताकि आने वाली पीढ़ी को वह शिक्षा दी जा सके। संगीत को लिपिबद्ध करने का कार्य इस कार्यशाला के माध्यम से किया जाएगा और जल्द ही आने वाली पीढ़ी के

समक्ष नए पाठ्यक्रम के रूप में उपलब्ध होगा।

वही श्री संतोष चौबे ने कहा कि संगीत सबसे प्योर अनुभूति है। जो शब्दों से कविता से कम्युनिकेट नहीं कर पाए वह संगीत के माध्यम से आसानी से कर सकते हैं। संगीत ब्रह्मांडीय एकता को अनुभव करने का बड़ा आधार है। प्राचीन काल की शिक्षा प्रणाली ज्ञान, परंपराएं और प्रथाएं मान्यता को प्रोत्साहित करती थी। पुराण में ज्ञान को अप्रतिम माना गया है। विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र पूर्व से ही संचालित होता रहा है। हमारा ध्येय यही है कि हम भावी पीढ़ी को भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़कर रखें। वर्तमान समस्याओं का समाधान भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित है।

श्री अशोक कड़ैल ने कहा कि हमारी प्राचीन विधाओं में संगीत को मुख्य स्थान प्राप्त है। संगीत के माध्यम से मानसिक समस्याओं का समाधान प्राचीन ज्ञान परंपरा में साफ झलकता है। मन की शांति तो भारतीय संगीत से ही मिलती है।

आधुनिक संगीत तो हमें अग्रेसित करता है वहीं प्राचीन संगीत मन को शांत करता है अब चुनाव हमें करना है कि हम अपनी भावी पीढ़ी को किस संगीत की विधा से जोड़ें। हम ऐसे नागरिक बनना चाहते हैं जो वैश्विक रूप से काम कर सकें। भारतीय दर्शन में हम जाएंगे तो देखते हैं कि कोई दुखी ना रहे। हमारी संस्कृति विश्व के कल्याण की रही है। यह हमारी प्राचीन शिक्षा पद्धति की वजह से ही संभव होता आया है। जिस प्रकार आज पूरा विश्व योग को अपना चुका है, हमारी चिकित्सा पद्धति को पश्चिमी देश आज अपने जीवन में अवतरित कर रखे हैं। मुझे खुशी है कि उच्च शिक्षा विभाग राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत संगीत विषय को शामिल किया है इस कार्यशाला के माध्यम से नई पीढ़ी तक बहुत अच्छा पाठ्यक्रम पहुंचेगा।

कार्यशाला में पद्मश्री उमाकांत गुंदेचा ने कहा कि मुझे खुशी है कि इतनी महत्वपूर्ण गोष्ठी में आमंत्रित हूं। हमारी सनातनी परंपरा को फिर से कहीं ना कहीं अपनी शिक्षा में लाने का महत्वपूर्ण प्रयास है। हमारी परंपरा शिक्षा और संस्कृति से जुड़कर नई पीढ़ी तक ले जाना है। हमारी जड़ें जो कमजोर हो गई हैं उनको इस कार्यशाला से बल मिलेगा।

पं. किरण देशपांडे ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि हम इस कार्यशाला में दो स्तर पर विचार विमर्श करेंगे पहले थ्योरेटिकल और दूसरा प्रैक्टिकल। हमारी ज्ञान परंपरा सनातन वैदिक काल से चली आई है उसे हमें पाठ्यक्रमों में जोड़ना है। सामवेद से लेकर आज तक जो हमारे ज्ञान परंपरा में वृद्धि हुई है उसका संकलन कर पाठ्यक्रम में जोड़ा जाएगा। मुझे यकीन है कि हम पूरे मनोयोग से इस कार्यशाला में हिस्सेदारी कर इसे सफल बनाएंगे।

कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में बीज वक्तव्य देते हुए प्रो. रमेश चंद्र भारद्वाज ने कहा कि शिक्षक को बदलने की जरूरत है। इस पर बात होती रही है। वर्ष 2014-15 में यूजीसी ने सीबीसीएस लागू किया था। अन्य विषयों के विद्यार्थी भारत की आत्मा नहीं समझ पाते। भारतीय ज्ञान परंपराओं से छात्र परिचित नहीं थे। उन विषयों को जेनेरिक इलेक्टिव के रूप में शामिल किया गया, परंतु भारतीय शिक्षकों ने भी अब तक विद्यार्थियों को उनसे रूबरू नहीं कराया है। पहले साहित्यिक आधार पर इतिहास लिखते थे, वर्ष 1964 से आर्कियोलॉजिकल तरीके से इतिहास लिखा जाने लगा। वहीं प्रो. साहित्य कुमार नाहर ने कहा कि मैं संगीत के परंपरागत परिवार से हूं। संगीत सभी शास्त्रीयता के बाद भी मानव मन की अनुभूति से जुड़ा है।

इंदौर में बारिश के बीच 15 घरों पर चला बुलडोजर

रहवासियों ने निगमकर्मी पर किया हमला; एसडीएम बोले- बिल्डर की जमीन पर बने अवैध मकान

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर नगर निगम ने बारिश के बीच 15 घरों पर बुलडोजर चला दिया। निगम का अमला एक बिल्डर की जमीन पर बने 75 अवैध मकान ढहाने पहुंचा था। रहवासियों के भारी विरोध के बीच कार्रवाई रोकनी पड़ी।निगम का अमला शुक्रवार सुबह जेसीबी और पुलिस बल के साथ न्याय नगर पहुंचा। कार्रवाई के दौरान भारी हंगामा और हाथापाई हुई। रहवासियों ने निगम अमले पर हमला कर दिया। कुछ लोग जेसीबी के सामने लेट गए। निगम अमले पर पथराव भी किया। निगमकर्मियों ने एक युवक को पकड़कर पुलिस को सौंपा है।विवाद के बीच एक महिला की तबीयत बिगड़ गई। विरोध बढ़ता देख कार्रवाई रोक दी गई। अब रहवासियों को मकान खाली करने के लिए 6 अगस्त तक का समय दिया गया है। एसडीएम रोशन राय ने बताया कि ये मकान श्रीराम बिल्डर के नाम पर दर्ज जमीन पर बने हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर इनको हटाया जा रहा है। एसडीएम जूनी इंदौर घनश्याम धनगर ने बताया कि 15 मकानों को ढहाया गया।

6 अगस्त को कोर्ट में जवाब देना है- एसडीएम

श्रीराम बिल्डर की ओर से सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई गई थी। इस पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने मकान अवैध मानते हुए हटाने के निर्देश दिए थे। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के संबंध में प्रशासन को 6 अगस्त को जवाब पेश करना है।

आसरा तलाश रहे बेघर हुए लोग

रहवासियों को इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से स्टे नहीं मिला। बरसते पानी में बेघर हुए परिवार रहने का आसरा नहीं बचा। कुछ परिवार आसपास के अन्य घरों में आश्रय ले रहे हैं। कुछ परिवार आसरा तलाश रहे हैं। विरोध और बहस के बाद पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर लिया।

एडीएम रोशन राय ने कहा सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर कार्रवाई की

एडीएम रोशन राय ने कहा कि यह जमीन श्रीराम बिल्डर के नाम पर थी। बिल्डर की ओर से जमीन के अतिक्रमण को कोर्ट में चुनौती दी गई थी। जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने अतिक्रमण हटाने के आदेश जारी किए हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद ही हमने कार्रवाई की है।

जो मकान तोड़ने हैं उनके सामने एस लिखा

प्रशासन ने शुक्रवार सुबह जेसीबी के जरिए मकान तोड़े। चिह्नित मकानों के सामने एस भी लिखा था जिन पर स्टे होना बताया गया। ऐसे कुछ मकान फिलहाल छोड़े गए हैं।

जान दे दूंगा, मकान नहीं तोड़ने दूंगा

निगम की कार्रवाई के विरोध में रहवासी बुलडोजर के आगे लेट गए। एक रहवासी ने बुलडोजर के पहिए पर पैर रखकर कार्रवाई का विरोध किया। कहा कि जान दे दूंगा पर मकान नहीं तोड़ने दूंगा। इस दौरान कई लोग वीडियो बनाते रहे। कार्रवाई का विरोध करने के लिए महिलाएं सबसे आगे रहीं।

निगमकर्मियों को उन्हें हटाने के लिए सबसे ज्यादा मशक्कत करना पड़ी। इस दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने मोर्चा संभाला। विरोध के दौरान महिलाओं को हटाए जाने के बाद पुरुष भी आगे आए। वहां मौजूद युवाओं ने कहा कि हमने पूरा टैक्स दिया है। हमारे पास निगम के मकान संबंधी जमा किए गए सभी टैक्स की रसीदें हैं। रहवासी नवल चौहान ने बताया कि जमीन-जायदाद बेचकर मैंने यह मकान बनाया। सुप्रीम कोर्ट में पता नहीं कौन से कागज पेश करके मेरा मकान तोड़ रहे हैं। मेरे पास रजिस्ट्री, निगम के कागज सभी हैं।

प्रेमिका को वीडियो कॉल किया और फंदे पर झूल गया

इंदौर में लिव-इन में था, कुछ दिनों पहले ही अलग हुए थे दोनों

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के एमआईजी इलाके में रहने वाले एक युवक ने सुसाइड कर लिया। वह वीडियो कॉल पर प्रेमिका से बात कर रहा था। इसी बीच उसने फंदा बनाया और जान दे दी। पुलिस ने मोबाइल जब्त किया है। शव को पोस्टमार्ट्म के लिए शुक्रवार को लाया गया।पुलिस के मुताबिक सोमनाथ की चाल में रहने वाले गौरव (25) पुत्र श्याम मिश्रा ने अपने कमरे में गुरुवार को फांसी लगाई है। देर शाम को लोगों ने उसे कमरे में फंदे पर देख पर लटका देखा था। पुलिस को गौरव का मोबाइल मिला, जिसमें आखिरी बार उसकी बातचीत वीडियो कॉल पर प्रेमिका से होना पता चला है। शंका है कि वीडियो कॉलिंग के दौरान ही उसने सुसाइड किया था।

परिवार से अलग रहता था युवक

पुलिस ने जानकारी दी कि गौरव मिश्रा अपने परिवार से अलग एक कमरे में रहता था। वह

डॉग बेचने से जुड़ा काम करता था। इंदौर-2 में मालवा मिल के पास सोमनाथ की चाल है। यह सोमनाथ महाराज के नाम पर है। गौरव उन्हीं का पोता था। गौरव का एक भाई राऊ में अलग रहता है।

भाई बोला- पहले लिव इन में था

राऊ निवासी भाई ने पुलिस को बताया गौरव उज्जैन में रहने वाली किसी लड़की के साथ लिव-इन में बाणगंगा इलाके में रह चुका है। अब कुछ समय से दोनों अलग रह रहे थे। लड़की गौरव को ब्लैकमेल कर रही थी और केस में फंसाने की धमकी दे रही थी। आशंका है कि इसी कारण उसने सुसाइड किया है।

4 साल की मासूम दूसरी मंजिल से गिरी, मौत

बालकनी से झांकते समय हादसा, सिर में गंभीर चोट आई

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के चंदन नगर में रहने वाली एक 4 साल की मासूम दूसरी मंजिल की बालकनी से नीचे आ गिरी। उसे पड़ोसियों ने देखा तो तत्काल जिला अस्पताल फिर एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्ची के सिर में गंभीर चोट आई थी। चंदन नगर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक घटना नंदन नगर इलाके की है। यहां एक बिल्डिंग में अपने परिवार के साथ रहने वाली 4 साल की आफिया खान हादसे का शिकार हो गई। वह दूसरी मंजिल की बालकनी की रैलिंग पर चढ़कर अपने मौसा-मौसी को बाय कर रही थी। तभी उसका बैलेंस बिगड़ा और वह नीचे गिर गई।

मां और छोटी बहन कमरे में थे- परिवार के लोगों ने बताया कि आफिया की एक छोटी बहन है। वह अपनी मां के साथ अंदर कमरे में थी। मां को लगा आफिया बालकनी में खेल रही है। तो उसका ध्यान नहीं था। आफिया के पिता फल का ठेला लगाते हैं। दो माह बाद उसका बर्थडे था।

मंदिर जा रही वृद्धा की चेन लूटी

सीसीटीवी फुटेज से बाइक सवारों की तलाश में जुटी पुलिस

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के एरोड्रम इलाके में एक बुजुर्ग महिला को गुरुवार सुबह लूट लिया। वह घर से मंदिर जाने के लिये निकली थी। इस दौरान बदमाश वारदात को अंजाम देकर चले गए। पुलिस को सीसीटीवी फुटेज मिले हैं। जिस पर बाइक सवार भागते हुए दिखे हैं। पुलिस ने आरोपियों की तलाश कर रही है।एरोड्रम पुलिस ने के मुताबिक मधु (60) पति प्रमोद कुमार गंगवाल निवासी सदुरु पैरेडाइज ने बताया ने बताया कि वह गुरुवार सुबह 6.30 बजे हाईलिंक सिटी में जैन मंदिर पर दर्शन करने जा रही थी। जब वह अमृत ग्रीन गार्डन गेट के पास पहुंची तो पीछे से दो युवक बाइक पर आए।

गले में पहनी हुई सोने की चेन झपटकर सुपर कॉरीडोर की तरफ भाग गए। उन्हें पकड़ने के लिये मदद के लिये शोर मचाया। इसके बाद घर जाकर बेटे दीपक को पूरी जानकारी दी। उसके साथ थाने जाकर केस दर्ज कराया। एरोड्रम पुलिस को बाइक सवार बदमाशों के सीसीटीवी फुटेज मिले हैं।

इंदौर-1 में 40 करोड़ के विकास कार्य का भूमिपूजन

मंत्री विजयवर्गीय करेंगे ; 14 करोड़ से बनने वाली पानी की टंकी से शुरुआत

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर की विधानसभा इंदौर-1 में कल 40 करोड़ रुपए से ज्यादा के विकास का कार्य का भूमिपूजन किया जा रहा है। यह भूमिपूजन इंदौर 1 के विधायक और प्रदेश के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय करेंगे। भूमिपूजन की शुरुआत इंदौर-1 के वार्ड क्रमांक 1 के सिरपुर से होगी। यहां 14 करोड़ 96 लाख रुपए की लागत से पानी टंकी बनाई जा रही है। इसके अलावा मंत्री विजयवर्गीय इंदौर-1 में 40 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली 72 विकास कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। भूमिपूजन कार्यक्रम की शुरुआत इंदौर-1 के वार्ड क्रमांक 1 से सुबह 11.30 बजे होगी। वहीं दोपहर 4 बजे अंतिम कार्यक्रम पंचशील नगर में होगा। भूमिपूजन के साथ ही विकास यात्रा भी निकाली जाएगी। जिससे मंत्री कार्यकर्ताओं के साथ ही मतदाताओं तक भी पहुंचेंगे।

1500 कैमरे देखे तब पकड़ाए डकैत

बाणगंगा और सांवेर की डकैती की जानकारी लगी, रतलाम के रहने वाले हैं आरोपी

इंदौर (एजेंसी)। शहर में डेरा डालकर खेल दिखाने के बहाने रैकी करते हुए आरोपी यहां डकैती की वारदात करते थे। ग्रामीण पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को रतलाम से पकडा। डकैतों के और साथियों की जानकारी मिली है। उनसे पूछताछ की जा रही है। डीएसपी उमाकांत चौधरी के मुताबिक 13 जुलाई को महंत अमृतगिरी महाराज के साथ मारपीट करते हुए लूट की वारदात हुई थी। इसके बाद आरोपियों ने बाणगंगा में कमलदास महाराज के आश्रम में वारदात की थी। शहरी पुलिस के साथ ग्रामीण पुलिस भी इस वारदात को लेकर सक्रिय थी। जिसमें 15 कैमरों के फुटेज निकाले गए। इस दौरान साईकिल पर दो आरोपियों के फुटेज मिले। उनकी पहचान के लिए

पुलिस रतलाम तक पहुंची। जिसमें दो आरोपियों को पकड़ा गया।

इनकी पहचान मोहम्मद गुलाम अली और साहिल उर्फ मुजार हुसैन है। जबकि सलीम उर्फ अब्दुल भंवर पुत्र मुजार हुसैन, फिला पुत्र मोहम्मद अली, विक्की उर्फ नक्से हसन पुत्र मुजाह हुसैन, अमन पुत्र विक्की हुसैन फरार है।

खेल दिखाकर करते थे रैकी

आरोपी डेरे में रहते हैं और अलग-अलग शहरों में खेल दिखाकर गुजर बसर करते हैं। खेल दिखाने के दौरान ही वह रैकी करते हुए डकैती, लूट और चोरी की वारदातों को अंजाम देते हैं। आरोपियों को पकड़ने के लिए कई थानों की पुलिस काफी दिनों से मेहनत कर रही थी।

सोते समय महिला की सांप के काटने से मौत

रात में ही चार अस्पतालों में दिखाया पर नहीं मिला इलाज

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के पास खुड़ैल में रहने वाली एक महिला की सांप काटने से मौत हो गई। सोते समय सांप के काटते ही वह जोर से चिल्लाई। उसकी चीख सुनते ही पति ने उठकर देखा तो सांप पास से ही जा रहा था। वह तुरंत अस्पताल के लिए भागा लेकिन महिला को बचाया नहीं जा सका। खुड़ैल पुलिस के मुताबिक ग्राम तिल्लौर निवासी अनिता (25) पति सुनील राठौर को उसके परिवार के लोग गुरुवार देर रात एमवाय लेकर पहुंचे थे।अनिता के देवर अनिल ने बताया रात में भाभी की चीख सुनकर कमरे में पहुंचा। सांप पास से ही जाता दिखा। रात में उन्हें चार अस्पताल में लेकर दौड़ते रहे लेकिन इलाज नहीं मिला। आखिर में एमवाय लाए लेकिन यहां भी जान नहीं बचा सके। इधर, घटना के बाद परिवार का कोई भी कमरे में जाने से डरता रहा। सुबह तक सांप की तलाश चलती रही।

लेखिका से छेड़छाड़ का केस दर्ज

बिल्डिंग में घुसा अर्धनग्न युवक, गार्ड-पड़ोसियों ने पकड़कर घरवालों के सुपुर्द किया

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के पलासिया की एक पॉश कॉलोनी में रहने वाली लेखिका के साथ छेड़छाड़ हो गई। एक आरोपी उनकी बिल्डिंग में अर्धनग्न अवस्था में घुस गया। गार्ड और आसपास के लोगों ने उसे पकड़ा तो वह सबके सामने छेड़छाड़ करने लगा। पलासिया पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली एक लेखिका की शिकायत पर पुलिस ने यश अग्रवाल के खिलाफ केस दर्ज किया है। मामला 5 दिन पुराना है। लेखिका 21 जुलाई की रात अपने बेटे के साथ घर में थी। उन्होंने जोमेटो से खाना आर्डर किया था। कुछ देर बाद बेटा खाने लेने जाने लगा तो घर के दरवाजे पर जूते, पेंट और अंडर गारमेंट्स पड़े दिखे। वह कुछ समझ पाता इससे पहले उसे एक लड़का दिखाई दिया, उसने केवल शर्ट पहना था। वह अश्लील हरकतें कर रहा था। यह देखकर वह जोर से चिल्लाया तो अंदर से लेखिका बाहर निकल आई।

दोनों ने पड़ोसियों से मदद मांगी।उनकी चीखने की आवाज सुनकर बिल्डिंग के चौकीदार, पड़ोसी और घर में काम करने

वाला कर्मचारी बाहर निकले। सभी ने मिलकर आरोपी यश अग्रवाल को पकड़ लिया। यश के घरवालों को फोन कर बिल्डिंग में बुलाया। वे सभी पहुंचे तो यश ने फिर लेखिका को पकड़ने की कोशिश की। लेकिन इससे पहले ही लोगों ने यश को धकेल दिया। और उसके परिवार के लोग उसे साथ ले गए।इसके बाद परिवार से बात कर मामले में केस दर्ज कराया।

इंदौर नगर बीजेपी कोर कमेटी की बैठक

बैठक में जलकर और कचरा शुल्क बढ़ाने पर बनी सहमति

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में बीजेपी नगर कोर कमेटी की बैठक हुई जिसमें इंदौर नगर के 5 विधायक, नगर अध्यक्ष व पदाधिकारी सहित महापौर शामिल हुए। इस बैठक में मंत्री विजयवर्गीय और सिलावट भी मौजूद थे। बताया जा रहा है कि बैठक में निगम जलकर और कचरा शुल्क बढ़ाने को लेकर चर्चा हुई जिसमें कोर कमेटी से दोनों ही शुल्क बढ़ाने पर सहमति बन गई है। खास बात यह रहीं की इस बैठक में मालिनी गौड़ शामिल नहीं हुई। बता दें कि दोनों ही शुल्क बढ़ाने को लेकर मालिनी गौड़ और रमेश मेंदोला ने पिछले दिनों विरोध किया था।

कारगिल दिवस पर इंदौर के सूबेदार ने सुनाया जीत का किस्सा

2 किमी चढ़ाई कर रात में करते थे अटैक ; इंडियन आर्मी हाई मोरल वैल्यू वाली सेना

इंदौर (एजेंसी)। हमारी बटालियन को सूचना मिली की भारत पाकिस्तान के बीच हुए शान्ति समझौते का उल्लंघन हो चुका है। पाकिस्तान की सेना ने द्रास से लेकर कारगिल, बटालिक और तुरतुक तक करीब 200 किमी लम्बे इलाके में घुसपैठ कर ऊंची चोटियों को अपने कब्जे में ले लिया था।हमें 1999 के मई की शुरुआत में ऑपरेशन में शामिल होने की सूचना दी गई। दो महीने तक हमारी बटालियन ऑपरेशन विजय में शामिल रही। मई से जुलाई के बीच हमने जंग लड़ी। 7 जुलाई के आसपास हमने दुश्मनों को खदेड़ दिया। करीब 15 दिनों तक चोटी पर पेट्रोलिंग कर दुश्मनों पर नजर रखी और फिर वापस बेस पर लौटे।1999 में कारगिल युद्ध (ऑपरेशन विजय) में शामिल 18 गढ़वाल राइफल्स के सूबेदार लक्ष्मण सिंह ने कारगिल के किस्से सुनाए तो लगा एक अभी

कुछ दिन पहले ही की बात है। मई 1999 में द्रास सेक्टर में तैनाती हुई और कारगिल युद्ध में शामिल हुए। वे कहते हैं भले ही इस लड़ाई का नाम ऑपरेशन विजय रखा गया हो लेकिन माहौल पूरा युद्ध जैसा ही था।लक्ष्मण आगे कहते हैं कि भारतीय सेना बहादुर और हाई मॉरल वैल्यू वाली सेना है। लड़ाई दुश्मन को मार के जीती जाती है न कि शहीद होकर।

दुश्मन को मार के शहीद होना ही हर सैनिक का सबसे बड़ा मोक्ष है।इस ऑपरेशन के बाद फिर अपनी बटालियन के साथ बेस कैंप पर लौट गए और जनवरी 2006 में इंदौर के पास महू स्थित इन्फैंट्री स्कूल में इंस्ट्रक्टर के तौर पर काम करने लगे।सूबेदार लक्ष्मण सिंह का बचपन उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल में बिता। पिता और उनके चारों भाइयों के फौज में होने के चलते 17 साल की उम्र में फौज में जाने का मन बना लिया था। सूबेदार लक्ष्मण सिंह 12वीं क्लास पास करने के बाद 1989 में 16 बिहार रेजिमेंट में शामिल हो गए।

इंदौर कांग्रेस ने दिया कलेक्टर को ज्ञापन

बलात्कार के आरोप में घिरे पार्षद शानू शर्मा को अयोग्य घोषित करने की मांग

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर वार्ड 82 के पार्षद और जोन 14 के अध्यक्ष बीजेपी नेता शानू शर्मा पर लगे दुष्कर्म के आरोपों को लेकर इंदौर शहर कांग्रेस ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंप शर्मा को पद के अयोग्य घोषित करने की मांग की है। कांग्रेस ने ज्ञापन देकर कहा कि हाल ही में वार्ड क्रमांक 82 के पार्षद शालू शर्मा उर्फ़ नितिन के खिलाफ पुलिस के द्वारा बलात्कार का मुकदमा दर्ज किया गया है। इस पार्षद के द्वारा समय की मारी महिला की मजबूरी का फायदा उठाकर उसकी इज्जत से खेला गया।कांग्रेस ने ज्ञापन देते समय कहा कि यह निश्चित तौर पर शर्मनाक घटना है।

इस घटना का चिंताजनक दृश्य यह है कि ज्यादिती की शिकार महिला को मुकदमा दर्ज कराने के लिए परेशान होना पड़ा। इस महिला का मुकदमा दर्ज नहीं किया जाए, इसके लिए पुलिस पर राजनीतिक दबाव बनाया गया। वहीं कांग्रेस ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंप तीन मांग रखी है। कांग्रेस की मांग है कि आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए, इस आरोपी को पार्षद पद से अयोग्य घोषित किया जाए और इस मुकदमे को फास्ट ट्रैक कोर्ट में भेजा जाए ताकि अत्याचार से पीड़ित महिला को जल्द न्याय मिल सके।

कांग्रेस ने चुनाव कराने की भी रखी मांग

कांग्रेस ने यह भी मांग की है कि इंदौर नगर निगम का वार्ड क्रमांक 83 का पार्षद पद रिक्त है। इस वार्ड से कमल किशोर लडढा निर्वाचित घोषित किए गए थे। लडढा का 26 जनवरी 2024 को निधन हो चुका है। उनके निधन के 6 माह बीत चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद अब तक इस वार्ड के चुनाव का कार्यक्रम घोषित नहीं किया गया है। मध्य प्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम में किए गए प्रावधान के अनुसार अधिकतम 6 माह की अवधि में नया निर्वाचन कर लिया जाता है। ऐसी स्थिति में हमारा आपसे आग्रह है कि कृपया राज्य निर्वाचन कार्यालय में प्रस्ताव भेज कर उक्त चुनाव का कार्यक्रम शीघ्र अति शीघ्र घोषित करने का कष्ट करें।

संपादकीय

मप्र में खनिज आय वृद्धि की उम्मीद

सुप्रीम कोर्ट ने खनिज खनन पर दी जाने वाली रॉयल्टी को टैक्स न मानकर राज्यों को खनिज उत्खनन पर टैक्स लगाने का अधिकार दे दिया है। इससे मप्र जैसे खनिज प्रचुर राज्यों की आय बढ़ाने का नया द्वारा खुल जाएगा। गुरूवार को लंबे समय से चले आ रहे इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट के 9 जजों की बैंच ने 8:1 के बहुमत से अपना ऐतिहासिक फैसला सुनाया। फैसले में सीजेआई डी. वाय. चंद्रचूड़ ने कहा कि खनिजों पर लगने वाली रॉयल्टी को टैक्स नहीं माना जाएगा। उन्होंने कहा कि माइंस और मिनरल्स डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन एक्ट (एमएमडीआर) राज्यों की टैक्स वसूलने की शक्तियों को सीमित नहीं करता है। राज्यों को खनिजों और खदानों की जमीन पर टैक्स वसूलने का पूरा अधिकार है। हालांकि खदानों और खनिजों पर केंद्र की ओर से अब तक टैक्स वसूली के मुद्दे पर 31 जुलाई को सुनवाई होगी। दरअसल, अलग-अलग राज्य सरकारों और खनन कंपनियों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में 86 याचिकाएं पहुंची थीं। कोर्ट को तय करना था कि मिनरल्स पर रॉयल्टी और खदानों पर टैक्स लगाने के अधिकार राज्य सरकार को होने चाहिए या नहीं। सुप्रीम कोर्ट में 8 दिन तक चली सुनवाई में केंद्र ने कहा था कि राज्यों को यह अधिकार नहीं होना चाहिए। इस मामले में अदालत ने 14 मार्च को फैसला सुरक्षित रख लिया था। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- संविधान में खनिज अधिकारों पर टैक्स लगाने का अधिकार केवल संसद को ही नहीं है, बल्कि राज्यों को भी दिया गया है। ऐसे में उनके अधिकार को दबाया नहीं जा सकता है। कोर्ट की 9 जजों की बेंच में से जस्टिस बीवी नागरत्ना की बाकी जजों से अलग राय थी। बीवी नागरत्ना का मानना था कि राज्यों को टैक्स वसूलने का अधिकार नहीं देना चाहिए। इससे इन राज्यों में कॉम्पिटिशन बढ़ेगा। केन्द्र सरकार ने भी इस मामले में दलील दी थी कि अगर राज्यों को टैक्स लगाने का अधिकार दिया तो राज्यों में महंगाई बढ़ेगी। खनन क्षेत्र में एफडीआई में दिक्कतें आएंगी। इससे भारतीय मिनरल्स महंगे होंगे और अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्द्धा घटेगी। केन्द्र के वकीलों ने यह भी कहा कि खनिजों पर टैक्स लगाने की ज्यादा शक्तियां केवल केन्द्र सरकार के पास हैं। गौरतलब है कि 1989 में तमिलनाडु सरकार बनाम इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड केस में सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की बेंच ने कहा था कि खनिजों पर रॉयल्टी एक टैक्स ही है। इस फैसले के खिलाफ खनन कंपनियों, पीएसयू और अलग-अलग राज्यों की ओर से 86 से अधिक याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई थी। 2004 में सुप्रीम कोर्ट पश्चिम बंगाल बनाम केसोराम इंडस्ट्रीज लिमिटेड मामले की सुनवाई कर रही थी। इस दौरान 5 जजों की बेंच ने कहा था कि 1989 में सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला सुनाया था, उसे गलत समझा गया। कोर्ट ने अब स्पष्ट कर दिया है कि रॉयल्टी टैक्स नहीं है। मप्र जैसे खनिज प्रचुर राज्य को फैसले से लाभ ही होगा। क्योंकि मप्र के पास हीरा, मैंगनीज,लोहा, कोयला, तांबे से लेकर यूरेनियम तक के बड़े भंडार हैं। हम अभी भी उसका पूरा दोहन नहीं कर पा रहे हैं। वर्तमान में राज्य सरकार की करीब 13 फीसदी आय खनिज रॉयल्टी से होती है। केन्द्र सरकार की नई खनिज नीति में खनिजों से 200 फीसदी तक आय बढ़ाने का लक्ष्य है। सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले से मप्र को यह लक्ष्य पाने में मदद ही मिलेगी। खतरा केवल यह है कि ज्यादा लाभ के लोभ में हम बहुत तेजी से धरती के खनिज भंडार खत्म करते जाएंगे, जिससे आने वाली नस्लों को खनिज कंगाली ही मिलेगी।

नजरिया

डॉ. ज्योति सिडाना
लेखिका स्तंभकार हैं।

चिंताजनक है समाज में उभरते बाल-अपराधी

18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के द्वारा असामाजिक व्यवहार करने या समाज द्वारा अस्वीकृत व्यवहार करने को बाल अपराध या किशोर अपराध कहा जाता है। यह उम्र का एक ऐसा पड़ाव होता है जिसमें कुछ बच्चे अपने जीवन और व्यवहार में संतुलन बना पाने में असफल हो जाते हैं ऐसे में उन बच्चों के असामाजिक गतिविधियों में शामिल होने की संभावना बढ़ जाती है। यह एक बड़ी बहस और चर्चा का विषय है जिसने समाज के सदस्यों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या परिवार अपने बच्चों को उचित समाजीकरण कर पाने में असमर्थ हो गए हैं। क्या हमारे शैक्षणिक संस्थान किशोरों को उचित शिक्षा और स्वस्थ परिवेश प्रदान करने में असमर्थ होते जा रहे हैं।

अधिकांश मामलों में देखा गया है कि किशोर अपराधी शिक्षित होते हैं और अपने परिवार के साथ रह रहे होते हैं। समाज मनोवैज्ञानिक यह मानते हैं कि विखंडित परिवार, दूषित सामाजिक वातावरण, स्कूल और पड़ोस का अनुचित परिवेश, मित्रों का समूह और बचपन में यौन शोषण का अनुभव इत्यादि कारण बच्चों को अपराध की ओर धकेल देते हैं। बचपन की अनेक नकारात्मक स्थितियां बच्चों में आत्मसम्मान का स्तर निम्न कर देती हैं और वे असामाजिक गतिविधियों में संलग्न हो जाते हैं। बदलते परिदृश्य में वैश्वीकरण, औद्योगीकरण, शहरीकरण, आधुनिकीकरण के कारण परिवार प्रणाली में अनेक बड़े बदलाव अनुभव किये जा सकते हैं जिससे आर्थिक संरचना और परिवार के सदस्यों की भूमिका में भी बदलाव आए हैं। इस बदलते आर्थिक और सामाजिक परिवेश में युवा पीढ़ी परिवार के भीतर और बाहर नई पहचान और आर्थिक स्वतंत्रता की तलाश कर रही है। परिवार प्रणाली में हो रहे इन परिवर्तनों ने बच्चों के व्यक्तित्व और नजरिए को बहुत प्रभावित किया है। परम्परागत समाजों में परिवार की जो भूमिका थी वे अब बदल चुकी है। अधिकांश परिवारों में माता-पिता दोनों के कार्यशील होने के कारण या परिवार की जिम्मेदारियों में व्यस्त रहने के कारण परिवार में अनेक तरह की समस्याएँ उत्पन्न होने लगी हैं जैसे माता-पिता की देखरेख का अभाव, माता-पिता के झगड़े, परिवार में उपेक्षित अनुभव करना, हिंसा या दुर्व्यवहार का सामना करना। स्वाभाविक है कि ऐसे बच्चे अपने माता-पिता और परिवारों से अधिक लगाव नहीं रखते और वे अनुचित गतिविधियों में संलग्न होने लगते हैं। इसके आलावा भी ऐसे कई कारक हैं जो किशोर अपराध को बढ़ावा देते हैं जैसे परिवार की निम्न सामाजिक-आर्थिक स्थिति, अशिक्षा, पारिवारिक संघर्ष, सहकर्मी समूह, मीडिया, शैक्षणिक असफलता, नशीली दवाओं की लत, बेरोजगारी, क्रोध इत्यादि। ये सभी कारक किशोर के असामाजिक व्यवहार के लिए जिम्मेदार हैं। अनेक समाजशास्त्रीय अध्ययनों में यह पाया गया है कि ऐसे नाबालिग जिनकी बुद्धि अभी परिपक्क नहीं हुई है और जिन्हें बचपन में उचित प्यार, देखभाल और संस्कार नहीं मिलते उनके अपराधी बनने की संभावना अधिक होती है। अब वैश्वीकरण और सूचना प्रौद्योगिकी के दौर में तो बच्चों का उचित समाजीकरण करना या उन्हें भटकाव के मार्ग पर जाने से रोक पाना और भी चुनौतीपूर्ण हो गया है। क्योंकि सभी के हाथ में कम उम्र में ही डिजिटल उपकरण आ जाते हैं जिनसे वे हर तरह की जानकारी सरलता से ले लेते हैं। चाहे अनचाहे सोशल मीडिया उनके सामने वे सब परोस रहा है जिसको जानने या समझने की अभी उनकी उम्र नहीं है उसी का दुष्प्रभाव है की बच्चे और किशोर समय से पहले ही परिपक्क हो रहे हैं और ऐसे काम करने के लिए प्रेरित होते हैं जिन्हें अपराध की श्रेणी में रखा जाता है।

अभी हाल ही में आंध्र प्रदेश के नांदयाल जिले के मुचुमरी गांव में तीन स्कूली नाबालिग लड़कों ने आठ साल की बच्ची के साथ गैंग रेप किया। इतना ही नहीं बच्ची के साथ गैंगरेप के बाद उसकी निर्मम हत्या भी कर दी गई। लड़की तीसरी कक्षा की छात्रा थी और आरोपी छठी व सातवीं कक्षा के छात्र हैं और वे एक ही स्कूल में पढ़ते थे। घटना को अंजाम देने के बाद तीनों बच्चे डर गए कि अगर बच्ची ने अपने माता-पिता से बलात्कार के बारे में शिकायत की तो उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है क्योंकि वह उन्हें पहचानती है। इसलिए तीनों ने उसकी हत्या कर दी और शव को पास की नहर में फेंक दिया। एक दूसरी घटना में उत्तर प्रदेश के बलिया में एक आठ वर्षीय बच्ची अपने घर की छत पर अकेली थी तभी आरोपी अपने घर की छत से कूदकर आया और उसके साथ बलात्कार किया फिर मौके से भाग गया। राजस्थान के सिरोही जिले के एक गांव में एक गांव का रास्ता पूछने के नाम पर नाबालिग का अपहरण कर चलती गाड़ी में रेप किया और फिर घर के बाहर उसे फेंक गए। इस जैसी कितनी ही घटनाएँ रोज अख़बार की सुर्खिया बनती हैं और पढ़कर भुला दी जाती हैं। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 4,45,256 मामले दर्ज किये गए जो वर्ष 2021 की तुलना में 4 प्रतिशत अधिक हैं। और बच्चों के विरुद्ध अपराध के मामलों में वर्ष 2021 की तुलना में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

कुछ अध्ययन यह भी बताते हैं कि यौन संतुष्टि से कहीं ज्यादा हिंसा इन किशोर अपराधियों के व्यवहार को निर्देशित करती है। क्योंकि इनमें से कई किशोरों ने अपने बचपन में यौन-हिंसा या दुर्व्यवहार झेला होता है। परिणामस्वरुप ऐसे बच्चों में भय, अविश्वास और असुरक्षा की भावनाएँ उत्पन्न हो जाती हैं, उनका सामाजिक सम्बन्धों पर से विश्वास समाप्त हो जाता है, उनमें एकाकीपन की भावना बढ़ जाती है और सामुदायिक सहभागिता में कमी आती है। एनसीआरबी की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी में बच्चों द्वारा किए गए अपराधों की दर सबसे अधिक दर्ज की गई। किशोरों द्वारा किए गए अपराधों की सबसे अधिक संख्या महाराष्ट्र (4,406) में दर्ज की गई, उसके बाद मध्य प्रदेश (3,795) और राजस्थान (3,063) का स्थान है।

शिक्षा के नाम पर प्रति वर्ष बजट में नए विद्यालय और विश्वविद्यालय खोलना परन्तु शिक्षकों, आधारभूत सुविधाओं के अभाव में उनका समुचित संचालन न हो पाना, स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनेक नई निशुल्क स्वास्थ्य योजनाओं को शुरू करना परन्तु चिकित्सकों और सुविधायुक्त अस्पताल के अभाव में उन योजनाओं का दम तोड़ देना। विभिन्न सरकारी या गैर-सरकारी संस्थानों में भ्रष्टाचार का विस्तार होना, प्रतियोगी परीक्षाओं में पर्चा लीक होना, विकसित तकनीक के विस्तार के कारण नौकरी से हाथ धो बैठना और बेरोजगारी के दलदल में गिर जाना, बढ़ती महंगाई के कारण परिवार की जरूरतों और इच्छाओं को पूरा न कर पाना परिवार और समाज में अनेक प्रकार की विघटनमूलक स्थितियों को जन्म देते हैं। ऐसे में कुछ लोग जीवन से पलायन कर जाते हैं तो कुछ लोग इन स्थितियों का सामना भी करते हैं लेकिन कुछ ऐसे किशोर/युवा भी होते हैं जो अपराध की राह पर चल निकलते हैं क्योंकि उन्हें सफलता का शॉर्टकट दिखाई देता है। आज अधिकांश युवा और किशोर सफलता को शोर्ट कट के माध्यम से ही पाना चाहते हैं बिना यह सोचे कि जिंदगी कोई डिजिटल डिवाइस या कंप्यूटर नहीं है जिसमे एक क्लिक पर सब कुछ हासिल हो जाता है। किसी ने सही कहा है कि बदलती दुनिया का ऐसा असर होने लगा आदमी पागल और फ़ोन स्मार्ट होने लगा। एक सुरक्षित समाज के निर्माण और आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए इस तरह की चुनौतियों से निपटना आवश्यक है।

आज जब हम स्वयं को एक तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में देखते हैं तो क्या यह आंकड़े हमे चुनौती देते नजर नहीं आते। विकास का यह कैसा पक्ष है जिस पर चिन्तन करने के बजाय समाज, प्रशासन और राज्य उसकी उपेक्षा करते नजर आते हैं। केवल कानून बना देना या सजा निर्धारित कर देना ही तो राज्य का दायित्व नहीं होता इस नवीन पीढ़ी को सही राह दिखाना, उनकी ऊर्जा को सही कार्यों में लगाना, उनके लिए उपयोगी शिक्षा और रोजगार विकसित करना भी एक कल्याणकारी राज्य का ही दायित्व होता है जिसकी उपेक्षा नहीं की जा सकती। आज किशोर और युवा पीढ़ी नशे, अपराध और निराशा के जिस अंधकार में जीने को बाध्य है उसके लिए, परिवार, समाज और राज्य का दोष कुछ कम नहीं है। अब्राहम लिंकन कहते थे कि शिक्षा का मतलब लोगों को वह सिखाना नहीं है जो वे नहीं जानते। इसका अर्थ है उन्हें वैसा व्यवहार करना सिखाना जैसा वे व्यवहार नहीं करते। यह सच है कि ज्ञान शक्ति है लेकिन केवल शिक्षा या ज्ञान देना ही पर्याप्त नहीं है उसका सही उपयोग करना भी सिखाना होगा ताकि बच्चों में विश्लेषण करने और विमर्श करने की सामर्थ्य भी उत्पन्न हो सके।

स्मृति शेष

प्रो. संजय द्विवेदी
लेखक भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक हैं!

प्रभात झा : लोकसंग्रह और संघर्ष से बनी शख्सियत

यह 9वें दशक के बेहद चमकीले दिन थे। उदारीकरण और भूमंडलीकरण जिंदगी में प्रवेश कर रहे थे। दुनिया और राजनीति तेजी से बदल रहे थी। उन्हीं दिनों मैं छात्र आंदोलनों से होते हुए दुनिया बदलने की तलब से भोपाल में पत्रकारिता की पढ़ाई करने आया था। एक दिन श्री प्रभात झा जी अचानक सामने थे, बताया गया कि वे पत्रकार रहे हैं और भाजपा का मीडिया देखते हैं। इस तरह एक शानदार इंसान, दोस्तबाज,तेज हंसी हंसने वाले, बेहद खुले दिलवाले झा साहब हमारी जिंदगी में आ गए। मेरे जैसे नये-नवेले पत्रकार के लिए यह बड़ी बात थी कि जब उन्होंने कहा कि 'तुम स्वदेश में हो, मैं भी स्वदेश में रह चुका हूं।' सच एक पत्रकार और संवाददाता के रूप में ग्वालियर में उन्होंने जो पारी खेली वह आज भी लोगों के जेहन में हैं। एक संवाददाता कैसे जनप्रिय हो सकता है, वे इसके उदाहरण हैं। रचना,सृजन, संघर्ष और लोकसंग्रह से उन्होंने जो महापरिवार बनाया मैं भी उसका एक सदस्य था।

उत्साह, ऊर्जा और युवा पत्रकारों को प्रोत्साहित कर दुनिया के सामने ला खड़े करने वाला प्रभात जी का स्वभाव उन्हें खास बनाता था। अब उनका पर्याय नहीं है। वे अपने ढंग के अकेले राजनेता थे,जिनका पत्रकारों, लेखकों, बुद्धिजीवियों से लेकर पार्टी के साधारण कार्यकर्ताओं तक आत्मीय संपर्क था। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े थे। फिर उसकी विचारधारा से जुड़े अखबार में रहे और बाद में भाजपा को समर्पित हो गये। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तक उनकी यात्रा उनका एकांगी परिचय है। वे विलक्षण संगठनकर्ता, अप्रतिम वक्ता और इन सबसे बढ़कर बेहद उदार व्यक्ति थे। उनके जीवन में कहीं जड़ता और कट्टरता नहीं थी। वे समावेशी उदार हिंदू मन का ही प्रतीक थे। उनका न होना मेरी व्यक्तिगत क्षति है। वे मेरे संरक्षक, मार्गदर्शक और सलाहकार बने रहे। उनकी प्रेरणा और प्रोत्साहन ने मेरे जैसे न जाने कितने युवाओं को प्रेरित किया।

उनके निधन से समाज जीवन में जो रिक्तता बनी है, उसे भर पाना कठिन है। छात्र जीवन से ही उनका मेरे कंधे पर जो हाथ था,वह कभी हटा नहीं। भोपाल, रायपुर, बिलासपुर, मुंबई मेरी पत्रकारीय यात्रा के पड़ाव रहे,प्रभात जी हर जगह मेरे साथ रहे। वे आते और उससे पहले उनका फोन आता। उनमें दुर्लभ गुरूत्वाकर्षण था। उनके पास बैठना और उन्हें सुनने का सुख भी विरल था। किस्सों की वे खान थे। भाजपा की राजनीति और उसकी भावधारा को मैं जितना समझ पाया उसमें श्री प्रभात झा और स्व. लखीराम अग्रवाल का बड़ा योगदान है। भाजपा की अंतर्कथाएं सुनाते फिर हिदायत भी देते, ये छापने के लिए नहीं, तुम्हारी जानकारी और समझ के लिए है।

मुझे नहीं पता कि प्रभात जी पत्रकारिता में ही रहते तो क्या होते। किंतु भाजपा में रहकर उन्होंने 'विचार' के लिए जगह बनाकर प्रकाशन, लेखन और मीडिया के पक्ष को बहुत मजबूत किया। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की जमीन पर भाजपा के विचार को मीडिया और बौद्धिक वर्ग में उन्होंने लोकस्वीकृति दिलाई। वे 'कमल संदेश' जैसे भाजपा के राष्ट्रीय मुखपत्र के वर्षों संपादक रहे। राज्यों में भाजपा की पत्रिकाएं और प्रकाशन ठीक निकलें, ये उनकी चिंता के मुख्य विषय थे। आमतौर पर राजनेता जिन बौद्धिक विषयों को अलक्षित रखते थे, प्रभात जी उन विषयों पर सजग रहते। वे उन कुछ लोगों में थे जिनका हर दल और विचारधारा से जुड़े लोगों से संवाद था। एक बार उन्होंने मुझसे कहा था 'अपने कार्यक्रमों में सभी को बुलाएं, तभी आनंद आता है। एक ही विचार के वक्ताओं के बीच एकालाप ही होता है, संवाद संभव नहीं।' उन्होंने मेरी किताब 'मीडिया नया दौर नयी चुनौतियां' का लोकार्पण एक भव्य समारोह में किया। जिसमें माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति प्रो.बीके कुठियाला, टीवी पत्रकार और संपादक रविकांत मित्तल भी उपस्थित थे। दिल्ली के अनेक मंचों पर मुझे उनका सान्निध्य मिला। उनका साथ एक ऐसी छाया रहा, जिससे वंचित होकर उसका अहसास अब बहुत गहरा हो गया है। वे हमारे जैसे तमाम युवाओं की जिंदगी में सपने जगाने वाले नायक थे। हम छोटे शहरों, गांवों से आए लोगों को वे बड़ा आसमान दिखाकर उड़ान के लिए छोड़ देते थे।

उन्होंने तमाम ऐसी प्रतिभाओं को खोजा, उन्हें संगठन में प्रवक्ता, संपादक, मंत्री, सांसद, विधायक और तमाम सांगठनिक पदों तक पहुंचने में मदद की। एक समय भाजपा के राष्ट्रीय सचिव के नाते वे बहुत ताकतवर थे। अध्यक्ष राजनाथ सिंह (अब रक्षा मंत्री) उन पर बहुत भरोसा करते थे। प्रभात जी ने इस समय का उपयोग युवाओं को जोड़ने में किया। मैं नाम गिनाकर न लेख को बोझिल बनाना चाहता हूं, न उन व्यक्तियों को धर्म संकट में डालना चाहता हूं, जो आज बहुत बड़े हो चुके हैं। भाजपा का आज स्वर्ण युग है, संसाधन, कार्यकर्ता आधार बहुत विस्तृत हो गया है। किंतु प्रभात जी बीजेपी के 'ओल्ड स्कूल' में ही बने रहे। जहां पार्टी परिवार की तरह चलती थी और व्यक्ति से व्यक्तिगत संपर्क को महत्व दिया जाता था। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ ही नहीं देश के अनेक राज्यों के कार्यकर्ता, पत्रकार,समाज के विविध क्षेत्रों में सक्रिय लोग उनसे बेहिचक मिलते थे। इस सबके बीच उन्होंने अपने स्वास्थ्य का बिल्कुल ध्यान नहीं रखा। मैंने उन्हें दीनदयाल परिसर के एक छोटे कक्ष में रहते देखा है। परिवार ग्वालियर में,खुद भोपाल में एकाकी जीवन जीते हुए। यहां भी दरवाजे सबके लिए हर समय खुले थे, जब अध्यक्ष बने तब भी। दिनचर्या पर उनका नियंत्रण नहीं था, क्योंकि पत्रकारिता में भी कोई दिनचर्या नहीं होती। मध्यप्रदेश भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने जिस तरह तूफानी प्रवास किया, उसने कार्यकर्ताओं को भले खुश किया। राजपुत्रों को उनकी सक्रियता अच्छी नहीं लगी। वे षड्यंत्र के शिकार तो हुए ही, अपना स्वास्थ्य और बिगाड़ बैठे। उनका पिंड 'पत्रकार' का था, किंतु वे 'जननेता' दिखना चाहते थे। इससे उन्होंने खुद का तो नुकसान किया ही, दल में भी विरोधी खड़े किये। बावजूद इसके वे मैदान छोड़कर भागने वालों में नहीं थे। डटे रहे और अखबारों में अपनी टिप्पणियों से रौशनी बिखेरते रहे। आज जब परिवार जैसी पार्टी को कंपनी की तरह चलाने की कोशिशें हो रही हैं, तब प्रभात झा जैसे व्यक्ति की याद बहुत स्वाभाविक और मार्मिक हो उठती है। उनकी पावन स्मृति को शत्-शत् नमन। भावभीनी श्रद्धांजलि।

वांग छीः सामाजिक ताने-बाने की आईना कहानियां

पुस्तक समीक्षा

रेणु गुप्ता
समीक्षक

इधर लोकप्रिय, सशक्त कथाकार मनीष वैद्य का लम्बे अरसे बाद नया कहानी संग्रह 'वांग छी' काफ़ी चर्चा में है। उनकी कहानियाँ वैसे तो साहित्यिक पत्रिकाओं में लगातार छपती रही है, लेकिन 'वांग छी' को पाठक चाव से पढ़ रहे हैं। मनीष वैद्य की खासियत है कि उनकी कहानियाँ मूलतः यथार्थपरक हैं और प्रधानतः हमारे इर्द-गिर्द के सामाजिक ताने-बाने का आईना हैं। उनकी कहानियों में विस्थापित समाज की त्रासदियों का हृदयस्पर्शी वर्णन है, जो कभी-कभार संघर्ष का रास्ता भी अख़्तियार करते हैं परंतु अधिकतर इसे अपने प्रारब्ध के रूप में स्वीकार कर सब कुछ बर्दाश्त करते हुए ज़िंदगी के अंतिम मुक़ाम, मृत्यु की प्रतीक्षा करने के लिए अभिशप्त हैं।

इससे क़रीब सात साल पहले आया उनका संग्रह 'फुगाटी का जूता' बहुत लोकप्रिय हुआ था। लगातार रचते रहने और बड़ी पत्रिकाओं में छपने के बावजूद इतने लंबे अंतराल से संकलन आने का सीधा अर्थ है, पाठकों को बेहतर में से बेहतरीन कहानियाँ पढ़ाना। उनकी अधिकाँश कहानियाँ ग्रामीण परिवेश की पृष्ठभूमि में आंचलिक संस्कृति की झलक देते हुए रची गई हैं। वे शब्दों के कुशल चितेरे हैं। शब्दों की अपूर्व जादूगरी करते हुए अद्भुत शब्द-चित्र गढ़ते हैं जिससे उनकी कथाएँ सीधे मर्म को छूती हैं। उनकी कहानियों में मनोहारी प्राकृतिक दृश्य और उनका सरस वर्णन देखने को मिलता है। उनमें मानव जीवन की सांध्य बेला, वृद्धावस्था की बेबसी, बेचारगी और बीमारी का हृदयस्पर्शी चित्रण दिखाई देता है।

'वांग छी' की पहली कथा 'खिरनी' है किशोरावस्था में प्रगाढ़ मैत्री के बंधन में आबद्ध किशोर और किशोरी की है, जो कभी साथ-साथ जंगल में कुलांचें भरते थे , खिरनी के पेड़ों पर चढ़ते, पकी हुई खिरनियों को इकट्ठा करते और नदी में तैरते थे। किशोरी में किशोर के प्रति आकर्षण था लेकिन ज़िंदगी में आगे बढ़ने के जुनून में किशोर ने सब कुछ छोड़ दिया, अपनी मिट्टी, गाँव और नाते-रिश्ते छोड़ दिये यहाँ तक की अपनी आत्मा तक छोड़ दी। वे दोनों तीस साल के लंबे अंतराल के बाद मिलते हैं। लेकिन अब किशोरी पूरी तरह से बदल चुकी है।

'एच एम टी 3511' में किसान की आँखों में पलते ख्वाब की राह में कृषक जीवन की त्रासद दुश्वारियों का मार्मिक विवरण है। 'कंधे पर घंटाघर' गाथा है एक शहर के घंटाघर और उसके समर्पित केयर टेकर बशीर मियाँ की। वक्त के साथ जब देश के हालात बदलने लगे, ऊपर से नीचे तक नेताओं में चापलूसी और मक्कारी भरी हुई थी। नगर-पालिका के नेताओं और अफ़सरों का ध्यान नई योजनाओं के लिए आने वाली सरकारी धन-राशि पर रहता। ऐसे में घंटाघर की बदहाली की तरफ़ कौन ध्यान देता। उलटे घंटाघर की नौकरी से उनकी छंटनी कर दी लेकिन वे उसकी देखभाल पहले की तरह समर्पित भाव से करते रहे। ऐसे में घंटाघर को तोड़ कर शॉपिंग मॉल बनाने के खिलाफ़ वे एक अनूठी लड़ाई की शुरुआत करते हैं।

शीर्षक कहानी 'वांग छी' मनुष्यता की तलाश करती है, जो देशों की उलझी हुई सीमा रेखाओं के आसपास ख़त्म होता दीखता। एक सैनिक के ज़रिये उसकी दुर्भाग्यपूर्ण ज़िंदगी की लंबी धूप-छाँही तस्वीर उभर कर सामने आती है। वह बेक़सूर होने के बाद भी पूरी ज़िंदगी लड़ाई लड़ता है पर जब जीत जाता है तो रास्ता भूल जाता है कि उसका घर किधर है। उधर या इधर। वह अपने ही दो परिवारों के बीच कुछ इस तरह उलझ कर रह जाता है कि दोनों ही जगह मौजूद नहीं रह पाता। युद्ध किसी का भला नहीं करते, यह बात एक बार फिर से यहाँ साबित होती है, यही उसकी विडम्बना है।

'नीले पंखों वाली चिड़िया' बेहद कारुणिक कहानी है सलमा का ब्याह रुक्ष और असंवेदनशील इंसान युसुफ़ से हो जाता है। उसकी असंवेदनशीलता और बीड़ी के धुएँ, सीले हुए कमरे और सिगड़ी के गीले कोयलों के धुएँ से परेशान टीबी से ग्रस्त हो जाती है और उसके अपने उसे अस्पताल में हमेशा के लिए छोड़ कर चले जाते हैं। 'पूनम की रात' सावित्री की हिम्मत की कहानी है जिसने एक रसूखदार किन्तु बुरी नियत वाले जमींदार को भरी दुनिया के सामने बेइज़्ज़त कर सबक सिखाया।

मनीष जी की कहानियों के अभिनव शिल्प, अनूठे प्रकृति चित्रण, रोचक कथानक और स्वाभाविक प्रतीत होते संवादों के चलते उनका संग्रह बेहद सशक्त बन पड़ा है। सभी कहानियों में संवेदनाओं का समंदर ठाठें मारता प्रतीत होता है। संग्रह की सभी कहानियाँ अनोखे शिल्प और शब्द सौन्दर्य से सुसज्जित बेहद रोचक बन पड़ी हैं। सेतु प्रकाशन ने इसे अच्छे ढंग से प्रकाशित किया है. फॉण्ट और मुद्रण श्रेष्ठ है और प्रूफ की गलतियाँ लगभग नहीं हैं।

इस तरह मनीष वैद्य का कहानी संकलन 'वांग छी' सशक्त दस्तावेज़ है वर्तमान में सतत टूटते देहात-कस्बों का जिसमें समाज में तेजी से आ रहे परिवर्तनों और वंचित शोषित वर्ग के अनगिनत दुःखों और संघर्षों की मार्मिक दास्तानें हैं। आज की दुनिया ने मूलतः एक बाज़ार का रूप धारण कर लिया है। भौतिकवादी सुख सुविधाओं की अंधी दौड़ दौड़ते दौड़ते आज का मनुष्य अपने भीतर की मानवीयता, करुणा, राग-अनुराग से हाथ धो बैठा है।

पुस्तक -'वांग छी' (कहानी संग्रह)
लेखक- मनीष वैद्य
प्रकाशक-सेतु प्रकाशन, नोएडा उप्र
मूल्य- 275 रुपये

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

सुरेश सौरभ
लेखक व्यंग्यकार हैं।

जब कल्लू कबाड़ी गायब हो गया

कई दिनों से मैं कल्लू कबाड़ी का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं, पर वह आजकल मोहल्ले में नहीं आ रहा हैं। कई लोगों से जानकारी की, कि आजकल वह कहां है, क्यों नहीं आ रहा है, पर उसकी कोई यथास्थिति बताने की स्थिति में बिलकुल नहीं है। घर में पुराने अखबारों का अंबार लग चुका है। कुछ जीर्ण-शीर्ण पत्रिकाएं भी चुनाव में हारे छोटे दलों की तरह अंतिम सांसें गिन रही हैं, उनको ठिकाने लगाने का एक विश्वसनीय सहारा कल्लू कबाड़ी ही है, जो माल का सही रेट देकर, माल को सही रास्ते से ले जाकर सही मंजिल तक पहुंचा देता है। उसकी जीवटता, उसकी कर्मठता, उसकी निश्छलता वंदनीय है, वह हर रोज नियतमः सुबह सात बजे मोहल्ले का फेरा करने निकल पड़ता है। कबाड़ी वाले, कबाड़ी वाले ऽऽऽऽ.... पुराना लोहा, प्लास्टिक, रद्दी, पुरानी कापी किताबें अखबार ले लाओ और उनको ठिकाने लगाकर पैसा ले जाओ.. कुछ दिनों से ऐसे समवेत स्वर मोहल्ले में सुनाई नहीं पड़ रहे हैं। मैं क्या करूं, अपने पुराने माल को कैसे ठौर-ठिकाने लगाऊं, बेहद पसोपेश में हूं।

पत्नी रोज-रोज कहती है कि खामखां पूरा घर, रद्दी घर बना कर रख दिया है, जो चीजें काम की न हों उन्हें अपनी जिंदगी से हटाओ? क्यों फालतू में फालतू की चीजों के पीछे पड़े रहते हो। यहां किताब, वहां किताब, जहां देखो वहीं, कहीं अखबार, कहीं पत्रिकाएं पड़ीं हैं। अरे! जो जरूरी न हो, जो आउट आफ डेट हो चुके हो, उनसे अपना पिण्ड छुड़ाओ, उनको कल्लू कबाड़ी को देकर ठिकाने लगाओ।' लिहाजा पत्नी के तानों उलाहनो से तंग आकर अब मैंने विचार किया है कि कम से कम जर्जर हो चुके या हो रहे क्रांतिकारी विचारों को यानि अखबारों पत्रिकाओं को, अब कल्लू के ही हवाले कर दिया जाये, पर वो है कि बिलकुल ईद का चांद का हो चुका है। उसे कहां जाकर तलाश करूं जी परेशान है। अगर मैं कहता हूं कि किसी और कबाड़ी से अपनी धरोहर बेच दूं, तो पत्नी कहती है-रद्दी का सही रेट वही देता है, जहां बरसों से रद्दी में जी रहे हो, तो वहीं कुछ दिन और सही... थोड़ा कल्लू का इंतजार और कर लो। वैसे भी लेखकों का हर चीज से पेट भर सकता है, पर पत्र-पत्रिकाओं से कभी नहीं? फिर वह चाहे, काम कीं हो या बेकाम की। मैंने कहा-'ठीक है जब तुम्हारे अंदर धैर्य कूट-कूट कर भरा पड़ा है, तो मेरे अंदर भी धैर्य का समंदर भरा पड़ा है। उसी के सहारे, साहित्य की नैया बरसों से हौले-हौले खींचते हुए आगे बढ़ा रहा हूं।'

मैंने कल्लू का फोन नम्बर भी जानने के लिए भगीरथी प्रयास किए, पर मामला जीरो बटा निल रहा। उस दिन किसी कहानी पर मगजमारी कर रहा था, तभी पत्नी चहकते हुए मेरे पास आई, मेरे गले में पीछे से अपनी बांहों का हार पहना कर बोलीं-तुम कलम घोंचते रहो, उधर देखो कल्लू हीरो बन गया।' मैंने अपनी नाक पर चढ़ा चश्मा उतारा-'एक तरफ पीछे से प्यार कर रही हो और वहीं सामने से छाती पर, वार पर वार कर रही हो। यह कौन सी तुम्हारी रीति, नीति या राजनीति है।' मैंने चिढ़ते-खींजते हुए कहा।

'कभी-कभी सोशल मीडिया पर भी भटक लिया करो, वैसे भी सोशल तुम सब नहीं होते?' पत्नी ने फिर कुरेदा।

'सही कह रही हो, हम सब आसामाजिक प्राणी ही होते हैं। अगर आसामाजिक न बने, तो कुछ न लिख पाएं। रोज-रोज किसी के मुंडन, किसी के बर्थ डे, किसी की शादी-पार्टी में मेरे पास जाने का समय नहीं। न ही पूरे मोहल्ले में नचाते हुए, मोहल्ले वालो से चोंच में चोंच लड़ाने की फुरसत है। ये तुमसे शादी होने से पहले कह दिया था, पर फिर भी तुम मुझे, कुत्ते काटे वाले, पुराने इंजेक्शन की तरह, अपने शब्द वाण बिलकुल मेरे पेट में घोंपने लगती हो।'

छोड़ो भी! तुमको अपनी कहानी का नया पैराग्राफ सुनाने के लिए मेरे अलावा कोई मिलता भी नहीं? ये देखो।÷ मोबाइल मेरे सामने कर दिया कर गाना बज रहा था, अंख लड़ी बदो बदी.....कल्लू कबाड़ी फुल मेकअप में थिरक रहा था। ''लाखो फलोवर बना लिए हैं महज एक माह में। तुम्हारी रद्दी अब कल्लू लेने नहीं आयेगा? घूरे के दिन बहुर गये।''

''ये सब मुझे क्यों दिखा रही हो? ये नौटंकी सिर्फ चार दिन की है। मरने के बाद कोई पूछेगा भी नहीं इसे। पता नहीं इसके जैसे कितने रम्पत-वम्पत आएं और दैया-दैया पर नाच गाने की नौटंकी करके, अब जन्नत की हूरें देख रहे हैं। कौन उन्हें याद कर रहा है, अब बताओ?'

''हुंह तुम्हारी मूर्ति लगेगी हर चौराहे पर शर्मा जी! आपनी आदमकद फोटू बनवाकर रख लो ।'' अब वह बांहों का हार नागिन की तरह फुंफकारते हुए जुदा हो गया।

पुण्य स्मरण

हर्षवर्धन पाण्डे

लेखक स्तंभकार हैं।

आज भी याद आते हैं डॉ. कलाम

सपने वो नहीं होते जो आपको रात में नींद में आएं लेकिन सपने वे होते हैं जो रात में सोने ना दें। ऐसी बुलंद सोच और अग्नि सरीखी ऊँची उड़ान रखने वाले मिसाइलमैन कलाम ही थे जिन्हें जनता कला राष्ट्रपति यूँ ही नहीं कहा जाता था। अपने राष्ट्रपति पद के 5 बरस के कार्यकाल में डॉ. अवुल पकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम ने अन्य राष्ट्रपति के कार्यकालों के मुकाबले न केवल अमिट छाप छोड़ी बल्कि ऐसी मिसाल भारतीय राजनीती में दूर -दूर तक देखने को नहीं मिलती। डॉ. कलाम ने राष्ट्रपति पद के दरवाजे ना केवल आम आदमी के लिए ही नहीं खोले बल्कि समाज के हर तबके को अपने साथ जोड़ने की कोशिश की। अपनी सादगी से उन्होंने पूरे देश की जनता का दिल जीता। डॉ. कलाम की शख्सियत ही यूँ थी कि हर कोई उनका मुरीद हो जाता था। राष्ट्रपति पद पर रहते हुए भी वह आम इंसान की तरह सादगी में रहते थे। वह देश के वह सम्मानित व्यक्तियों में से एक थे जिन्होंने एक वैज्ञानिक और एक राष्ट्रपति के रूप में अपना अतुल्य योगदान देकर देश सेवा की। राष्ट्रपति पद पर अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद से डॉ. कलाम शिलांग, अहमदाबाद और इंदौर के भारतीय प्रबंधन संस्थानों तथा देश एवं विदेश के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में अतिथि प्रोफेसर के रूप में कार्यरत थे। डॉ. कलाम ने राष्ट्राध्यक्ष रहते हुए राष्ट्रपति भवन के दरवाजे आम जन के लिए खोल दिए जहां बच्चे उनके विशेष अतिथि होते थे ।

15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में पैदा हुए कलाम ने मद्रास इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलोजी से स्नातक करने के बाद भौतिकी और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग का अध्ययन किया और फिर उसके बाद रक्षा शोध एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) से जुड़ गए। उनका बचपन भी बड़ा संघर्ष पूर्ण रहा। प्राइमरी स्कूल के बाद कलाम ने श्वार्ट्ज हाईस्कूल, रामनाथपुरम में प्रवेश लिया। वहां की शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने 1950 में सेंट जोसेफ कॉलेज, तिरुचिन्नापल्ली में प्रवेश लिया। वहां से उन्होंने भौतिकी और गणित विषयों के साथ बीएससी की डिग्री प्राप्त की। अपने अध्यापकों की सलाह पर उन्होंने स्नातकोत्तर शिक्षा के लिए मद्रास इंस्टीयट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, चेन्नई का रुख किया। वहां पर उन्होंने एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग का चयन किया। कलाम की इच्छा थी कि वे वायु सेना में भर्ती हों तथा देश की सेवा करें। यह इच्छा पूरी न हो पाने पर उन्होंने बे-मन से रक्षा मंत्रालय के तकनीकी विकास एवं उत्पाद का चुनाव किया। वहां पर उन्होंने 1958 में तकनीकी केन्द्र सिविल विमानन में वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक का कार्यभार संभाला। उन्हीं दिनों इसरो में स्वदेशी क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से ''उपग्रह प्रक्षेपण यान कार्यक्रम' की शुरुआत हुई। कलाम को इस योजना का प्रोजेक्ट डायरेक्टर नियुक्त किया गया जिसे उन्होंने अंजाम तक पहुंचाया। जुलाई 1980 में ''रोहिणी' उपग्रह को पृथ्वी की कक्षा के निकट स्थापित करके भारत को ''अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष क्लब' के सदस्य के रूप में स्थापित कर दिया।

डॉ. कलाम ने भारत को रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्यद से रक्षामंत्री के तत्कालीन वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. वीएस अरुणाचलम के मार्गदर्शन में ''इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम' की शुरुआत की। इस योजना के अंतर्गत ''त्रिशूल' ''आकाश', ''नाग', ''अग्नि' एवं ''ब्रह्मोस' मिसाइलें विकसित हुई। डॉ. कलाम ने जुलाई 1992 से दिसम्बर 1999 तक रक्षा मंत्री के विज्ञान सलाहकार तथा डीआरडीओ के सचिव के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कीं। उन्होंने भारत को ''सुपर पॉवर' बनाने के लिए 11 मई और 13 मई 1998 को सफल परमाणु परीक्षण किया। इस प्रकार भारत ने परमाणु हथियार के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता अर्जित की और यह डॉ. रणनीति थी पोकरण विस्फोटों की भनक अमरीका तक को नहीं लगी और परीक्षण सफल हुआ। डॉ. कलाम नवम्बर 1999 में भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार रहे और फिर 25 जुलाई 2002 को भारत के ग्यारहवें राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित हुए। वे 25 जुलाई 2007 तक इस पद पर रहे और उनको राष्ट्रपति बनाने में नेताजी ने मास्टर स्ट्रोक उस दौर में चला था जब वामपंथी और विपक्ष एनडीए के इस फैसले के साथ गया था। 2012 में सबसे पहले नेताजी ने तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी के साथ कलाम पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम को राष्ट्रपति बनाने की बात सामने रखी थी लेकिन कांग्रेस की पसंद प्रणव मुखर्जी थे और वह कलाम के साथ नहीं थी। डॉ कलाम को कार्यकाल की कोई चाह नहीं थी लेकिन करोड़ों प्रशंसकों का दिल उन्होने नहीं तोड़ा और अपने दूसरे कार्यकाल के चयन पर सभी दलों की सम्मति को जरूरी बताया लेकिन कांग्रेस शायद उन्हें दूसरा कार्यकाल न बना चुकी थी।

उनकी जीवनी ''विंग्स ऑ फायर' भारतीय युवाओं और बच्चों के बीच बेहद लोकप्रिय है। डॉ. कलाम की लिखी पुस्तकों में ''गाइडिंग सोल्स : डायलॉग्स ऑन द पर्पज ऑफ लाइफ' एक गंभीर कृति है। इनके अतिरिक्त उनकी अन्य चर्चित पुस्तकें ''इग्नाइटेड माइंड्स : अनलीशिंग द पॉवर विदिन इंडिया' ''एनिवजनिंग अन एमपार्वड नेशनः टेक्नोलॉजी फॉर सोसायटल ट्रांसफारमेशन', ''डेवलपमेंट्स इन फ्ल्यूड मैकेनिक्सि एण्ड स्पेस टेक्नालॉजी', ''2020: ए विजन फॉर द न्यू मिलेनियम' सह लेखक- वाईएस राजन, ''इनिवजनिंग ऐन इम्पॉएर्वड नेशन : टेक्नोलॉजी फॉर सोसाइटल ट्रांसफॉरमेशन' सह लेखक- ए सिवाथनु पिल्लई बेस्टसेलर रही हैं । डॉ. कलाम ने तमिल भाषा में कविताएं भी लिखी जो अनेक पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुई हैं। उनकी कविताओं का एक संग्रह ''द लाइफ ट्री' के नाम से अंग्रेजी में भी प्रकाशित हुआ है। डॉ. कलाम की योग्यता के दृष्टिगत सम्मान स्वरूप उन्हें अन्ना यूनिर्वसिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, कल्याणी विश्वविद्यालय, हैदराबाद विश्वविद्यालय, जादवपुर विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, मैसूर विश्वविद्यालय, रूड़की विश्वविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, मद्रास विश्वविद्यालय, आंध्र विश्वविद्यालय, भारतीदासन छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, तेजपुर विश्वविद्यालय, कामराज मदुरै विश्वविद्यालय, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि आईआईटी दिल्ली, आईआईटी मुंबई, आईआईटी कानपुर, बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलाजी, इंडियन स्कूल ऑफ साइंस, सयाजीराव ऑफ बड़ौदा, मनीपाल एकेडमी ऑफ हॉयर एजुकेशन ने अलग-अलग ''डॉक्टर ऑफ साइंस' की मानद उपाधियां प्रदान की। जवाहरलाल नेहरू टेक्नोलॉजी विवि हैदराबाद ने उन्हें ''पीएचडी' तथा विश्वभारती शान्ति निकेतन और डॉ. बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय औरंगाबाद ने उन्हें डॉक्टर ऑफ लिटरेचर की मानद उपाधियां प्रदान कीं। इनके साथ वे इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग, इंडियन एकेडमी ऑफ साइंसेज बेंग्लुरू, नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंस नई दिल्ली के सम्मानित सदस्य, एरोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, इंस्टीट्यूशन ऑफ इलेक्ट्रानिक्स एंड टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियर्स के मानद सदस्य, इजीनियरिंग स्टॉफ कॉलेज ऑफ इंडिया के प्रोफेसर तथा इसरो के विशेष प्रोफेसर रहे। डॉ. कलाम को नेशनल डिजाइन अवार्ड-1980 (इंस्टीटयूशन ऑफ इंजीनियर्स भारत), डॉ. बिरेन रॉय स्पेस अवार्ड-1986 (एरोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया), ओम प्रकाश भसीन पुरस्कार, राष्ट्रीय नेहरू पुरस्कार-1990 (मध्य प्रदेश सरकार), आर्यभट्ट पुरस्कार-1994, प्रो. वाई नयूडम्मा मेमोरियल गोल्ड मेडल-1996, जीएम मोदी पुरस्कार-1996, एचके फिरोदिया पुरस्कार-1996, वीर सावरकर पुरस्कार-1998 आदि। उन्हें राष्ट्रीय एकता के लिए इंदिरा गांधी पुरस्कार (1997) भी प्रदान किया गया। भारत सरकार ने उन्हें क्रमशः पद्म भूषण (1981), पद्म विभूषण (1990) एवं ''भारत रत्न' सम्मान (1997) से भी विभूषित किया गया।

राष्ट्रपति के रूप में कलाम की पहचान अलहदा थी। अपनी अनोखी संवाद शैली के चलते कलाम अपने भाषणों में बच्चों को हमेशा शामिल करते थे। व्याख्यान के बाद वह अक्सर छात्रों से उन्हें पत्र लिखने को कहते थे और प्राप्त होने वाले संदेशों का हमेशा तुरंत जवाब देते थे। वीआईपी की परम्पराओं को तोड़कर हर बार मंच से नीचे उतरकर हाथ मिलाने थे। अपने कार्यकाल में लाभ के पद संबंधी विधेयक को मंजूरी देने से इनकार करके यह साबित कर दिया था कि वह एक ''रबर स्टैम्प' नहीं हैं। इतना कुछ होने के बाद भी बतौर राष्ट्रपति अपने कार्यकाल में कई आलोचना का भी सामना करना पड़ा। डॉ. कलाम ने अपने पांच साल के कार्यकाल में 21 में से केवल एक दया याचिका पर कार्रवाई की और बलात्कारी धनंजय चटर्जी की याचिका को नामंजूर कर दिया जिसे बाद में फांसी दी गई। यही नहीं उन्होंने संसद पर आतंकवादी हमले में दोषी करार दिए जाने के बाद मौत की सजा पाने का इंतजार कर रहे अफजल गुरु की दया याचिका पर फैसला लेने में देरी को लेकर अपने आलोचकों को जवाब दिया और कहा कि उन्हें सरकार की ओर से कोई दस्तावेज नहीं मिला जिसके चलते वह कुछ कदम नहीं उठा सके। बिहार में वर्ष 2005 में राष्ट्रपति शासन लगाने के विदेश से लिए गए अपने विवादास्पद फैसले पर भी उनको आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। हालांकि उन्होंने यह कहते हुए आलोचनाओं को खारिज कर दिया कि उन्हें कोई अफसोस नहीं है ।

वह राष्ट्रपति पद से रिटायर और टायर्ड नहीं हुए । तकरीबन 300 से भी ज्यादा कालेजों और स्कूल में वह अपना लेक्चर देने गए। उनके जीवन में 2011 में एक मौका ऐसा भी आया जब अमरीका के एयरपोर्ट में पूर्व राष्ट्रपति होने के बाद भी सघन तलाशी ली गयी जहाँ उनके कपड़े उतारे जाने की घटना से पूरा देश आहत हुआ था लेकिन डॉ. कलाम ने इस पर कुछ भी नहीं कहा। यह उनकी महानता और जीवटता थी जो उन्हें महामहिम सरीखे शिखर पर ले गई और हमेशा आम इंसान की तरह बेरोकटोक अपना काम समर्पित भाव से करते रहे। डॉ.कलाम ने अपने कार्यकाल में कई राजसी परम्पराओं को तोड़ा। महामहिम होते भी वह सादा जीवन थे। पूरा देश मानो उनका परिवार था। चाचा नेहरू के बाद इस जेनरेशन के बच्चों के लिए कलाम ही आईकन थे । बच्चों से खुलकर बातें करना, उनको पढ़ाना बहुत अच्छा लगता था और संयोग देखिये शिलांग में 27 जुलाई 2015 की शाम डॉ. कलाम भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलोंग में एक व्याख्यान दे रहे थे तब दिल का दौर पड़ने से वे बेहोश हो कर गिर पड़े जिससे उनकी साँसों की डोर थम गई और पूरा देश महान वैज्ञानिक के निधन से शोक संतप्त हो गया। बेशक उनके निधन से देश ने महान वैज्ञानिक खो दिया है लेकिन इतिहास के पन्नों में वह जनता के राष्ट्रपति के रूप में वह आज भी हमारे दिलों में बसे रहेंगे और वैज्ञानिक के रूप में हमेशा अमर रहेंगे ।

साहित्य में मनभावन सावन

डॉ. सौरभ मालवीय

लेखक स्तंभकार हैं।

झम झम झम झम मेघ बरसते हैं सावन के

वर्षा ऋतु कवियों की प्रिय ऋतु मानी जाती है। इस ऋतु में सावन मास का महत्व सर्वाधिक है। ज्येष्ठ एवं आषाढ़ की भयंकर ग्रीष्म ऋतु के पश्चात सावन का आगमन होता है। सावन के आते ही नीले आकाश पर काली घटाएं छा जाती हैं। जब वर्षा की बूंदें धरती पर पड़ती हैं, तो संपूर्ण वातावरण मिट्टी की सुगंध से भर जाता है। प्रकृति झूम उठती है। वृक्ष-पौधे झूमने लगते हैं। मनुष्य ही नहीं, अपितु सभी जीव-जंतु प्रसन्न हो जाते हैं। जिसे तन-मन अनुभव करता है, उस ऋतु का शब्दों में उल्लेख करना कोई सरल कार्य नहीं है। किंतु हमारे कवियों ने इस ऋतु को बहुत ही सुंदर शब्दों में बांधकर इसे काव्य के रूप में प्रस्तुत किया है। वेदों की ऋचाओं की अनुभूति सावन के मनोहर भाव को व्यक्त की है ।

कविता का कोई भी काल रहा हो, सभी काल के कवियों ने वर्षा ऋतु पर जमकर लिखा है। भक्तिकाल एवं रीतिकाल के संधि कवि सेनापति वर्षा ऋतु का चित्रण करते हुए कहते हैं कि मेघ बहुत जल बरसाते हैं एवं सारंग की भांति ध्वनि करते हैं। मोर अत्यंत सुंदर लगते हैं तथा वे मेघ के घिर आने पर प्रसन्नचित्त होते हैं। मेघ वर्षा जल देने के कारण जीवन के आधार माने जाते हैं। कवि सेनापति के शब्दों में-

सारंग धुनि सुनावै घन रस बरसावै,
मोर मन हरषावै अति अभिराम है।
जीवन अधार बड़ी गरज करनहार,
तपति हरनहार देत मन काम है।।
सीतल सुभग जाकी छाया जग सेनापति,
पावत अधिक तन मन बिसराम है।
संपै संग लीने सनमुख तेरे बरसाऊ,
आयौ घनस्याम सखि मानौं घनस्याम है।।

रीतिबद्ध काव्य के आचार्य कवि देव अपनी कविता में विरहिणी नायिका की मनोव्यथा का वर्णन करते हैं।

नायिका कह रही है कि मैंने रात्रि में एक स्वप्न देखा, जिसमें मुझे प्रतीत हुआ कि झरझर का शब्द करती हुई झीनी-झीनी बूंदे गिर रही हैं एवं गर्जना के साथ आकाश में घटाएं घिरी हुई हैं। उस वातावरण में श्रीकृष्ण ने आकर मुझसे कहा है कि चलो आज झूला झूलते हैं। प्रियतम का यह प्रस्ताव सुनकर मैं अत्यधिक प्रसन्न हो गई। कवि देव कहते हैं-

झहरि-झहरि झीनी बूंद है परति मानो,
घहरि-घहरि घटा घिरी है गगन में।
आनि कह्यो स्याम मो सों, चलो झूलिबे को आजु,
फूली ना समानी, भयी ऐसी हौं मगन मैं।।
चाहति उठ्योई, उड़ि गयी सो निगोड़ी नींद,
सोय गये भाग मेरे जागि वा जगन में।
आंखि खोलि देखौं तो मैं घन हैं न घनस्याम,
वेई छायी बूंदें मेरे आंसू ह्वै दृगन में।।

अयोध्या नरेश एवं रीतिकाल की स्वच्छंद काव्य-धारा के अंतिम कवि द्विजदेव ने भी वर्षा ऋतु का सुंदर वर्णन किया है। वे कहते हैं-

कारी नभ कारी निसि कारियै डरारी घटा,
झूकन बहत पौन आनंद को कंद री।
'द्विजदेव' सांवरी सलोनी सजी स्याम जू पै,
कीन्हौं अभिसार लखि पावस अनंद री।
नागरी गुनागरी सु कैसें डरै रैनि डर,
जाके संग सोहैं ए सहायक अमंद री।
बाहन मनोरथ उमाहिं संगवारी सखी,
मैन मद सुभट मसाल मुख चंद री।।

सितारगढ़ के नरेश शंभुनाथ सिंह सोलंकी नृप शंभु ने सावन का अत्यंत मनोहारी चित्रण किया है। इन्हें शंभु कवि एवं नाथ कवि के नाम से भी जाना जाता है। वे मनभावान सावन का उल्लेख करते हुए कहते हैं-

सावन के मास मनभावन के संग प्यारी,
अटा पर ठाढ़ी भई घटा अंधियारी में।
दसहू दिसान घूमैं दामिनी लए लए।
धूरिधार धूमरे से, धूमसे धुंधारेकारे,
धुरवान धारे धावैं छबिसों छए छए।।
श्रीपति सुकवि कहै घेरि घेरि घहराहिं,
तकत अतन तन ताव तैं तए तए।
लाल बिनु केसे लाज चादर रहैगी आज,
कादर करत मोहिं बादर नए नए।।

अंबिकादत्त व्यास भी मेघों का अति चित्रण करते हुए कहते हैं-

मेघ देस-देस नट खट आसा पूरि आये,
कान्हर लै गूजरी हिंडोर छबि छाकी है।
दीप-दीप भैरव भये हैं नारि बृंदन सों,
ललित सुहाई लीला सारंग छटा की है।
जल फुहार बौछारें धारें गिरतीं झर झर।
आंधी हर हर करती, दल मर्मर तरु च ंच
दिन रजनी औ पाख बिना तारे शशि दिनकर।

सुप्रसिद्ध कवि रामधारी सिंह 'दिनकर' सावन के आगमन का उल्लेख करते हुए कहते हैं-

जेठ नहीं, यह जलन हृदय की,
उठकर जरा देख तो ले;
जगती में सावन आया है,
मायाविन! सपने धो ले।
जलना तो था बदा भाग्य में
कविते! बारह मास तुझे;
आज विश्व की हरियाली पी
कुछ तो प्रिये, हरी हो ले।

दामिनी के धोखे चक चौंझे दृग कवि नाथ,
छबिन सों मुरि दुरै पिय अंग वारी में।।
कोटि रति वारों ऐसी राधाजू के रूप पर,
रंभा रंक कहा शंक शची के निहारी में।
पागि रही रस जागि रही ज्योति लाजनि में,
नेह भीजो वेह मेह भीजो श्वेत सारी में।।

रीतिकाल के कवि घनश्याम शुक्ल सावन में उमड़-उमड़ कर आ रही घटाओं के सौन्दर्य का वर्णन करते हुए कहते हैं-

उमड़ि घुमड़ि घन आवत अटान चोट,
घन-घन जोति छटा छटकि-छटकि जात।
सोर करें चातक चकोर पिक चहवार
मोर ग्रीव मोरि-मोरि मटकि-मटकि जात।।
सावन लौं आवन सुनो है घनश्याम जू को,
आंगन लौ आय-पांय पटकि-पटकि जात।
हिये बिरहानल की तपनि अपार उर,
हार गज मोतिन को चटकि-चटकि जात।।

रीतिकालीन कवि श्रीपति जल से भरे मेघों का वर्णन करते हैं कि किस प्रकार वे दसों दिशाओं से दामिनी साथ लाते हैं। वे कहते हैं-

जलभरे झूमैं मानो भूमै परसत आय,
श्यामल तमाल कोस कोस लौं कुमोद कीनों,
अंबादत्त सोहनी त्यों छाया बदरा की है।
कोऊ सुघरई सों श्रीकृष्ण को जु पाऔं तब,
आली या कल्यान की बहार बरसा की है।।

कवि कवींद्र 'उदयनाथ' सावन में ग्राम के वातावरण का उल्लेख करते हुए कहते हैं-

लाग्यो यह सावन सनेह सरसावन,
सलिल बरसावन पटाधर ठटान को।
गोरी गांव गांवन लगी हैं गीत गावन,
हिंडोरो झूम लावन उठान छै अटान को।।
भनत कबिंद्र बिरहीजन सतावन सो,
देखो चमकावनरी बिज्जुल छटान को।
प्यारे परौ पांवन लला को लीजै नावन सो,
देखो आजु आवन सुहावन घटान को।।

सुमित्रानंदन पंत सावन के अनुपम सौन्दर्य का चित्रण करते हुए कहते हैं-

झम झम झम झम मेघ बरसते हैं सावन के
छम छम छम गिरतीं बूंदें तरुओं से छन के।
चम चम बिजली चमक रही रे उर में घन के,
थम थम दिन के तम में सपने जगते मन के।
ऐसे पागल बादल बरसे नहीं धरा पर,
जयशंकर प्रसाद सावन की रात्रि के सौन्दर्य को अपने शब्दों में बांधते हुए कहते हैं-

नव तमाल श्यामल नीरद माला भली
श्रावण की राका रजनी में घिर चुकी,
अब उसके कुछ बचे अंश आकाश में
भूले भटके पथिक सदृश हैं घूमते।
अर्ध रात्रि में खिली हुई थी मालती,
उस पर से जो विछल पड़ा था, वह चपल
मलयानिल भी अस्त व्यस्त हैं घूमता
उसे स्थान ही कहीं ठहरने को नहीं।

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना अपनी प्रेमिका को संबोधित करते हुए कहते हैं-

मेरी सांसों पर मेघ उतरने लगे हैं,
आकाश पलकों पर झुक आया है,
क्षितिज मेरी भुजाओं से टकराता है,
आज रात वर्षा होगी।
कहां हो तुम?

कवयित्री महादेवी वर्मा कहती हैं-

लाए कौन संदेश नए घन!
अम्बर गर्वित,
हो आया नत,
चिर निस्पंद हृदय में उसके
उमड़े री पुलकों के सावन!
लाए कौन संदेश नए घन!

हरिवंशराय बच्चन वर्ष ऋतु में चलने वाली हवा को अनुभव करते हुए कहते हैं-

बरसात की आती हवा।
वर्षा-धुले आकाश से,
या चन्द्रमा के पास से,
या बादलों की सांस से;
मधुसिक्त, मदमाती हवा,
बरसात की आती हवा।
यह खेलती है ढाल से,
ऊंचे शिखर के भाल से,
अस्काश से, पाताल से,
झकझोर-लहराती हवा;
बरसात की आती हवा।

अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' कहते हैं-

सखी! बादल थे नभ में छाये
बदला था रंग समय का
थी प्रकृति भरी करूणा में
कर उपचय मेघ निश्चय का।
वे विविध रूप धारण कर
नभ-तल में घूम रहे थे
गिरि के ऊंचे शिखरों को
गौरव से चूम रहे थे।

त्रिलोक सिंह ठकुरेला सावन में कृषकों का उल्लेख करते हुए कहते हैं-

सावन बरसा जोर से, प्रमुदित हुआ किसान।
लगा रोपने खेत में, आशाओं के धान।।
आशाओं के धान, मधुर स्वर कोयल बोले।
लिये प्रेम-संदेश, मेघ सावन के डोले।
'ठकुरेला' कविराय, लगा सबको मनभावन।
मन में भरे उमंग, झूमता गाता सावन।।

दुष्यंत कुमार कहते हैं-

दिन भर वर्षा हुई
कल न उजाला दिखा
अकेला रहा
तुम्हें ताकता अपलक।

आती रही याद
इंद्रधनुषों की वे सतरंगी छवियां
खिंची रहीं जो
मानस-पट पर भरसक।
कलम हाथ में लेकर
बूंदों से बचने की चेष्टा की-
इधर-उधर को भागा
भींग गया पर मस्तक।

बैतूल से कुकरू तक आज निकलेगी बाइक रैली, पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

कुकरू ईको टूरिज्म स्थल का वन विभाग ने किया जीर्णोद्धार

बैतूल। जिले में स्थित कुकरू ईको टूरिज्म स्थल का वन विभाग द्वारा जीर्णोद्धार कर दिया गया है। यह स्थल, जो मध्यप्रदेश की दूसरी सबसे ऊंची चोटी है, अब पर्यटकों के लिए और भी आकर्षक बन गया है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए वन विभाग-हाईवे राइडर्स क्लब बैतूल के सहयोग से आज 27 जुलाई को प्रातः 10-30 बजे बैतूल से कुकरू तक बाइक रैली प्राइड फॉर कुकरूष् का आयोजन किया जा रहा है।

डीएफओ विजयानन्तम टी.आर. के नेतृत्व में कुकरू ईको टूरिज्म स्थल का जीर्णोद्धार किया गया है। इसमें पर्यटकों के लिए कई नई सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। डीएफओ विजया अनन्तम टी.आर. ने बताया वन विभाग के इन प्रयासों से कुकरू में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और यह स्थल पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण बनेगा। इस प्रकार, कुकरू का विकास स्थानीय लोगों के जीवन में भी समृद्धि लाएगा और बैतूल जिले को पर्यटन के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा।

प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग है कुकरू- सतपुड़ा की वादियों में बसा कुकरू, बैतूल जिले से मात्र 90 कि.मी. दूर है। 1137 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह स्थान प्रकृति प्रेमियों, एडवेंचर प्रेमियों और सुकून के पल बिताने वालों के लिए एक

पसंदीदा गंतव्य के रूप में उभर रहा है। यहां के प्राकृतिक सौंदर्य, ग्रामीण संस्कृति और अद्वितीय अनुभवों का आनंद लेने के लिए यह स्थान अब और भी सुविधाजनक बना दिया गया है।

पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए ईको टूरिज्म स्थल पर कैंटीन की व्यवस्था की गई है, जहां पर्यटक स्थानीय व्यंजनों का स्वाद ले सकते है। रात्रि विश्राम हेतु रहने के लिए बिजली की व्यवस्था की गई है। कैंपस में मचान बनाए गये है। सोलर लाईट लगाए गए है। पर्यटकों की सुविधा के लिए सिग्नल बुस्टर लगाए गये है, ताकि पर्यटक अपने परिवारजनों से बात कर सकें। जंगल सफारी गाड़ी की व्यवस्था की गई है, जिसमें पर्यटक परिवार के साथ पवन चक्की, लोकलदरी एवं कुकरू विलेज, लेडी फ्लोरेंस का पूर्व निवास एवं जंगल का आनंद ले सकते है। स्थानीय जनजाति द्वारा पर्यटकों के कहने पर कोरकू नृत्य कार्यक्रम भी आयोजित किया जाता है। कैंपस में चिल्ड्रन प्ले एरिया विकसित किया गया है, जिसमें बच्चों के मनोरंजन हेतु विभिन्न प्रकार के झूले व अन्य मनोरंजक उपकरण स्थापित किये गये है। पर्यटन स्थल पर काफी गार्डन नेचर ट्रेल एवं साइकिलिंग ट्रैक विकसित किया गया है, जहां नेचर ट्रेल, माउंटेन साइकिलिंग, हॉर्स राइडिंग का मजा ले सकते है। प्राकृतिक सौंदर्य, काफी बागान, ग्रामीण संस्कृति, कुकरू जनजाति लोक नृत्य एवं सीपना नदी उद्गम स्थल देख सकते है।

कुकरू के प्रमुख आकर्षण

कॉफी बागान : मध्यप्रदेश का इकलौता कॉफी बागान वन विश्राम गृह, कुकरू से लगा हुआ है। वर्तमान स्थिति में कॉफी बागान 44 हेक्टेयर में फैला हुआ है। कॉफी बागान एवं आस-पास के क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार के पक्षियों के दर्शन होते है।

भोण्डियाकुण्ड दर्शनध्सिपना दर्शन: यह पाईंट सतपुड़ा पर्वत श्रृंखला के मध्य बसा हुआ वनग्राम भोंडिया कुंड दर्शन स्थल के साथ-साथ महाराष्ट्र प्रांत के मेलघाट टाइगर रिजर्व की जीवनदायिनी सिपना नदी का उद्गम स्थल है इस बिन्दु से सतपुड़ा पर्वत श्रृंखला की मनभावन सात पर्वत श्रेणियां दृष्टिगोचर होती है।

बुच पाईंट : यह पाईंट सतपुड़ा की वादियों में स्थित सूर्योदय दर्शन का अत्यंत रमणीय बिन्दु है। प्राकृतिक सौंदर्य यहां से देखते ही बनता है।

सूर्यास्त पाईंट: यह पाईंट म.प्र. एवं महाराष्ट्र प्रांत की सीमा रेखा के निकट सतपुडा की सुंदर पहाड़ियों के विहंगम दृश्य के मध्य सूर्यास्त दर्शन का रमणीय स्थान है। मिस फ्लोरेंस हेड्रिक्स हेरिटेजध्आश्रम यह पाईंट ब्रिटिश महिला मिस फ्लोरेंस हेड्रिक्स का पूर्व निवास जो जीर्ण-शीर्ण अवस्था में इस स्थान पर घने जंगलो के मध्य वे अकेली निवास करती थीं।

सांस्कृतिक नृत्य: ईको पर्यटन केन्द्र कुकरू में स्थानीय आदिवासियों के द्वारा लोकनृत्य का आयोजन किया जाता है।

बैलगाड़ी सवारी: ईको पर्यटन केन्द्र कुकरू में स्थानीय ग्रामीणों द्वारा बैलगाडी सवारी का आयोजन किया जाता है।

सायकल पथ (साइकिलिंग): ईको पर्यटन केन्द्र कुकरू से भोंडियाकुण्ड तथा अन्य दर्शनीय स्थलो पर साइकिलिंग की सुविधा उपलब्ध है।

वीर सैनिकों ने गौरवशाली विजय दिलाई, सदैव स्मरणीय रहेगी

बच्चों ने मनाया कारगिल विजय दिवस

बैतूल। सरस्वती विद्या मंदिर कालापाठा के बच्चों ने कारगिल विजय दिवस धूमधाम से मनाया। कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य भूपेन्द्र पवार ने अपने संबोधन में छात्रों के बीच विषय रखते हुए कहा कि सन् 1999 में पाकिस्तान के विरूद्ध विषम परिस्थितियों में प्रतिकूल मौसम के चलते हमारे वीर सैनिकों ने जो गौरवशाली विजय दिलाई वह सदैव स्मरणीय रहेगी। इस विजय में शहादत देने वाले वीर शहीद सैनिकों के प्रति हम सब श्रद्धांजली अर्पित करते हैं और उन्हें नमन करते हैं। साहस, वीरता का परिचय देते हुए दुश्मन को करारी पराजय देने वाले हमारे सैनिकों की त्याग, तपस्या, बलिदान को हमें संजोये रखना है। प्राचार्य संजय उपाध्याय के मार्गदर्शन में सम्पन्न कार्यक्रम के पूर्व प्रातरू काल विद्यालय से छात्र साइकिल रैली द्वारा नगर के प्रसिद्ध कारगिल चौक पहुंचकर अमर शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की। रैली का नेतृत्व विद्यालय के खेल शिक्षक योगेश काले ने किया। भारत वासियों के लिए इस गौरवपूर्ण दिवस के उपलक्ष्य में सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मप्र भोपाल द्वारा आयोजित प्रदर्शनी, पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

सफाई मित्रों का किया सम्मान

बैतूल । स्वच्छ सर्वेक्षण के दिशा निर्देशानुसार कल नगर पालिका परिषद बैतूल द्वारा सभागार बाल मंदिर में सफाई कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सफाई मित्रों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया

गया। इसमे मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका परिषद के उपाध्यक्ष महेश राठौर, स्वच्छता समिति के सदस्य शीला महाले, आभा श्रीवास्तव, वर्षा बारस्कर, सोमती धुर्वे स्वच्छता शाखा की सभापति कल्पना धोटे, स्वच्छता निरीक्षक संतोष धनेलिया, राजेश सोनी सहित अधिकार एवं सफाई मित्र उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथियों द्वारा सफाई मित्रों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए बताया कि सफाई कार्य के दौरान सभी सफाई मित्र पीपीई किट का उपयोग अवश्य करें। इस कार्यक्रम के अंत में सभागृह में उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा स्वच्छता की शपथ ली गयी।

मुकेश गुमास्ता को मातृशोक

बैतूल। कलेक्ट्रेट में स्टेनो के पद पर पदस्थ मुकेश और सिंचाई विभाग से सेवानिवृत्त राकेश गुमास्ता की माताजी श्रीमती सुशीला गुमास्ता का 93 वर्ष की उम्र में कल गुरुवार की रात निधन हो गया था। उनकी अंतिम यात्रा आज विकास नगर कालापाठा स्थित आवास से निकाली गई। अंतिम संस्कार कोठी बाजार मोक्षधाम में किया गया। श्रीमती सुशीला गुमास्ता के निधन पर अधिकारियों, कर्मचारियों, सामाजिक बंधुओं, ईष्टमित्रों, शुभचिंतकों ने शोक व्यक्त कर दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किए। और शोक संतृप्त परिवार को इस दुखद घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है।

पंडित सुखदेव शर्मा जगन्नाथ पुरी में करेंगे भागवत कथा

जगन्नाथ पुरी के लिए जत्था कल होगा रवाना

बैतूल। जिले के 170 श्रद्धालुओं का जत्था कल रविवार जोधपुर पुरी ट्रेन द्वारा जगन्नाथ पुरी के लिए रवाना होगा। जहां 29 जुलाई से 4 अगस्त तक पंडित सुखदेव शर्मा द्वारा संगीतमय श्रीमद भागवत कथा का वाचन किया जाएगा। सात दिवसीय कथा उपरांत भगवान जगन्नाथ जी के दर्शन कर जत्था वापस लौटेगा।

फुहार के बीच पेंटिंग से प्रकृति को करीब से जाना

बैतूल। कलाकार प्रकृति से दूर नहीं रह सकता है और प्रकृति के बिना कला पूर्ण हो ही नहीं सकती है। प्रकृति को करीब से समझने के उद्देश्य से बारिश की हल्की फुहार के साथ आरडी पब्लिक स्कूल के बच्चे ने चित्रकला का लुत्फ उठाया। नन्हे मुन्ने बच्चों ने क्रिएटिव सप्ताह के दौरान अपने आर्ट टीचर युवा चित्रकार व कला गुरु श्रेणिक जैन के मार्गदर्शन व एकेडेमिक कोऑर्डिनेटर दीपक बाजपेई की उपस्थिति में चित्रकारी के गुर सीखें। इस मौके पर श्रेणिक जैन ने कहा कि कला अपने आप में संतोष के साथ आनंद की अनुभूति देती है और वातावरण के साथ सामान्जस्य होता है तो वह और निखरती है। दीपक बाजपेई ने कहा कि बारिश के समक्ष प्रत्यक्ष चित्रकारी बच्चों के लिए एक अनूठा अनुभव था। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ चित्रकारी का आनंद लिया।

बलात्कार के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बैतूल। शेख फैजान पिता शेख बेताव निवासी आजाद वार्ड के द्वारा 22 फरवरी से शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाये यह शिकायत थाना कोतवाली में 24 जुलाई को पीड़िता ने कि थी। आरोपी मोती वार्ड में किराये का कमरा लेकर मेरे साथ रहा एवं लगातार शारीरिक संबंध बनाये गये। एवं किराये के कमरे में बंद रखकर, फरियादिया पीड़िता के साथ मारपीट किया एवं किसी को बताने या रिपोर्ट करने पर जान से मारने की धमकी दिया एवं आरोपी के माता पिता के द्वारा भी आरोपी फैजान का इस कृत्य में सहयोग करना, रिपोर्ट करने पर जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट पर आरोपियों शेख फैजान, वेताब शेख, फैजान की मां नाजमीन शेख सभी निवासी आजाद वार्ड बैतूल के विरूध्द पंजीबद्ध कर गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया।

बाजार में दूध के दाम बढ़े, लेकिन किसानों के लिए कब बढ़ेंगे रेट

- **जिले में 50 हजार लीटर दूध का उत्पादन**

बैतूल। बाजार में मिलने वाले दूध के दामों में बढ़ोत्तरी तो कर दी है, लेकिन अब तक किसानों को मिलने वाले दूध के दामों में बढ़ोत्तरी नहीं हुई है। बाजार में बढ़ते दामों का किसानों को कोई फायदा नहीं हो रहा है। अब किसान भी दूध के दाम बढ़ने के इंतजार में बैठे है। किसानों का कहना है कि जब बाजार में दूध के दाम बढ़ा दिए तो किसानों को भी अधिक दाम मिलना चाहिए, लेकिन सबकुछ उलट चल रहा है, बाजार में दाम बढ़ गए है, लेकिन किसानों से पुराने दाम में ही दूध खरीदा जा रहा है। जानकारी के मुताबिक बैतूल जिले में कुल 360 दूध डेयरी संचालित हो रही है। वर्तमान में सभी दूध डेयरियों से 35 से 40 हजार लीटर दूध की आवक हो रही है। हाल ही में सांची दूध के दामों में बढ़ोत्तरी कर दी है। यह बढ़ोत्तरी बाजार में बिकने वाले दूध के दामों में की गई, लेकिन डेयरी में दूध बेचने वाले किसानों को दूध के बढ़ते दामों का कोई लाभ नहीं मिल रहा है। किसानों से पुराने दामों पर ही दूध खरीदा जा रहा है। किसानों से खरीदे गए दूध के दाम नहीं बढ़ने से जिले के हजारों किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है।

लागत के मुताबिक नहीं मिल रहे दाम- बैतूल जिले में बड़े पैमाने पर दूध का उत्पादन किया जाता है। अधिकतर किसान दूध व्यवसाय पर निर्भर है। किसानों का कहना है कि दूध उत्पादन में लागत बढ़ते जा रही है। लागत के मुताबिक दूध के दाम किसानों को नहीं मिल पा रहे है। ऐसे में किसानों की लागत भी निकलना मुश्किल हो गया है। किसानों का कहना है कि दुधारू मवेशियों के लिए हरे चारे की व्यवस्था करनी पड़ती है। मवेशियों को खिलाने वाली बरछिम के भी दाम बढ़ते जा रहे है, लेकिन जिस हिसाब से बाजार में बरछिम के दाम बढ़ रहे है, उसे हिसाब से दूध के दाम नहीं बढ़ पा रहे है। सरकार ने मुनाफे के लिए बाजार में दूध के दाम बढ़ा दिए, लेकिन किसानों को मिलने वाले दामों की बढ़ोत्तरी पर अभी कोई फोकस नहीं किया है।

बारिश में दूध का उत्पादन बढ़ने की संभावना- बारिश के दिनों में जिले में दूध उत्पादन बढ़ने की संभावना बनी है। दूग्ध संघ के अधिकारियों के मुताबिक बारिश के समय दुधारू मवेशियों को भरपूर हरा चारा मिलता है। हरा चारा मिलने से दूध का उत्पादन बढ़ जाता है, इसलिए जुलाई माह से अगस्त, सितम्बर तक दूग्ध का उत्पादन प्रतिवर्ष बढ़ जाता है। इस वर्ष भी दूध का उत्पादन लगभग 50 हजार लीटर की संभावना बनी है।

इनका कहना

मुझे जहां तक याद है कुछ महीने पहले ही किसानों के लिए दूध के दाम बढ़ा दिए थे। बाजार में मिलने वाले दूध के दाम बढ़ने पर किसानों से खरीदे जा रहे दूध के दामों को नहीं बढ़ाया जाता है।

- राजेश चकधर,
सचिव, सांची दूग्ध संघ, बैतूल

ठानी जलाशय से किसानों को मिलेगा भरपूर पानी

बैतूल विधायक के प्रयासों से विशेष मरम्मत के लिए 31.44 लाख स्वीकृत

बैतूल। आठनेर विकासखण्ड अंतर्गत ठानी ग्राम में स्थित जल संसाधन विभाग के जलाशय की नहर के द्वार(स्लूज) से वर्षो से हो रहे पानी के रिसाव के कारण ठानी और धनोरी के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा था। बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल के विशेष प्रयासों से जल संसाधन विभाग म.प्र द्वारा ठानी जलाशय के स्लूज निर्माण,बांध पर मिट्टी कार्य सुधार एवं विशेष मरम्मत के लिए 31 लाख 44 हजार रुपये स्वीकृत किये है। बैतूल विधायक की मांग पर प्रदेश के जल

संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट द्वारा विभागीय अफसरों को ठानी जलाशय की विशेष मरम्मत के लिए आवश्यक राशि स्वीकृत करने के लिए आदेशित किया था। जल संसाधन मंत्री के आदेश के परिपालन में मध्य प्रदेश शासन जल संसाधन विभाग के अवर सचिव नें ठानी जलाशय की विशेष मरम्मत के लिए 31.44 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। उक्त राशि से जलाशय के स्लूज निर्माण एवं विशेष मरम्मत होने के बाद ठानी व धनोरी के किसानों को सिंचाई के लिए भरपूर पानी मिलेगा।

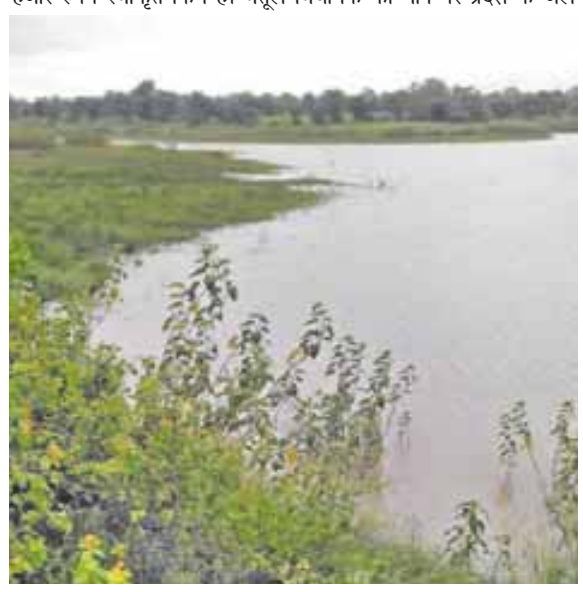

लीकेज से स्टोर नहीं हो रहा था पानी

उल्लेखनीय है कि आठनेर विकासखंड के ठानी ग्राम में जल संसाधन विभाग द्वारा लगभग 30 वर्ष पूर्व निर्मित जलाशय की नहर का स्लूज क्षतिग्रस्त होने के कारण लगातार रिसाव के चलते जलाशय में क्षमता के मुताबिक जलभराव नहीं हो पा रहा था। परिणाम स्वरूप किसानों को रबी सीजन में ठानी जलाशय से सिंचाई के लिए तीन की बजाये दो पानी ही मिल पाते थे। सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिलनें से उत्पादन प्रभावित हो रहा था।

विशेष मरम्मत के बाद सिंचाई के लिए मिलेंगे तीन पानी

ठानी-धनोरी के किसानों की ठानी जलाशय की मरम्मत करवानें की मांग को गंभीरता से लेकर बैतूल विधायक श्री खंडेलवाल नें प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट को किसान हितैषी मॉग से अवगत कराया था। बैतूल विधायक द्वारा किये गये सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप जल संसाधन विभाग द्वारा ठानी जलाशय के स्लूज निर्माण,बांध पर मिट्टी कार्य सुधार और विशेष मरम्मत के लिए 31 लाख 44 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। उक्त राशि से जल संसाधन विभाग द्वारा ठानी जलाशय की विशेष मरम्मत करवाई जायेगी। जिसके बाद जलाशय में क्षमता के मुताबिक पानी का संग्रहण होने से किसानों को रबी सीजन में सिंचाई के लिए तीन पानी मिलने लगेगें। ठानी जलाशय की मरम्मत के लिए राशि स्वीकृत होने पर ठानी और धनौरी के किसानों व ग्रामीणों द्वारा विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया है।

खनिज विभाग ने जब्त किए अवैध रेत से भरे 3 डंपर

बैतूल। जिले में रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन थमने का नाम नहीं ले रहा है। रेत खनन पर प्रतिबंध होने के बावजूद भी धड़ल्ले से रेत का अवैध परिवहन किया जा रहा है। सूचना मिलने पर खनिज विभाग ने अवैध रेत का परिवहन करते हुए तीन डंपर जब्त करने की कार्यवाही की है। तीनों डंपर बिना रॉयल्टी के रेत खनन और परिवहन करते पाए जाने पर डम्पर मालिकों के खिलाफ खनिज अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई है।

उप संचालक खनिज मनीष पालेवार के मुताबिक प्रतिबंध के बावजूद कुछ माफियाओं द्वारा रेत के अवैध रेत के खनन और परिवहन की सूचनाएं मिल रही थी। इसके लिए खनिज निरीक्षकों को निर्देशित कर कार्य योजना बनाई गई है और आज तीन डंपरों को पकड़ा गया है। खनिज निरीक्षक भगवत नागवंशी ने बताया कि सूचना मिलने पर शुक्रवार सुबह चिचोली हरदा रोड पर सर्चिंग शुरू की गई थी। यहां पर अवैध रेत से भरे तीन डंपरों को रोककर चालकों से रॉयल्टी सहित अन्य दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहा गया लेकिन ना रॉयल्टी दिखाई गई और ना ही दस्तावेज।

पूछताछ करने पर चालकों ने गंजाल नदी से रेत का खननं कर परिवहन करना बताया है। अवैध उत्खनन और परिवहन के मामले में डम्पर क्रमांक एमपी-50-एच-1402,एमपी-47-जी-0307 तथा एमपी-48-एच-1237को जब्त कर खेड़ी सांवलीगढ़ वन परिक्षेत्र कार्यालय परिसर में खड़ा करवाया गया है। तीनों डंपरों में लगभग 500 घनमीटर रेत भरी हुई है। जो आसपास के क्षेत्र में बेचने की कोशिश की जा रही थी। फिलहाल डंपर मालिकों के खिलाफ खनिज अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया जा रहा है। श्री नागवंशी ने बताया कि प्रतिबंध हटने तक जिले के सभी क्षेत्रों में सतत रूप से सर्चिंग जारी रहेगी।

पेरिस ओलंपिक पर खास

अमिताभ स.

ऐसा शानदार है पेरिस, यहां हो रहे हैं ओलंपिक्स

आजकल फ्रांस की राजधानी पेरिस में ओलंपिक खेल हो रहे हैं। आजकल के अलावा भी पेरिस यूरोप के सबसे शानदार और रौनकी शहरों से एक है। यह 'रोशनी का शहर' भी है, इसलिए 'एन इवनिंग इन पेरिस' जाना- पहचाना नाम बन गया है। हर नई- पुरानी इमारतें लाइटों से जगमग रहती है। पेरिस सीन नदी के किनारे बसा है। सीन के साथ-साथ टहलना मजेदार तफरीह है। सीन पर रात के वक्त क्रूज की सैर मन मोह लेती है। बोट लाइटों से जगमगाती तमाम हेरिटेज बिल्डिंगों के सामने से गुजरती है और साथ- साथ ईयर फोन के जरिए इमारतों के बारे में दिलचस्प बातें सुनाई जाती हैं। लूवरे म्यूजियम, नेशनल असेंबली, सिटी हॉल और एफिल टॉवर सभी बारी- बारी आंखों के सामने होते हैं।

सीन के एक किनारे पर 1049 फुट ऊंचा गगन छूता एफिल टॉवर लैंडमार्क है। इसे देखने हर साल लाखों टूरिस्ट पेरिस उमड़ते हैं। करीब- करीब सभी इसे बैकड्रॉप बना कर फोटो या सेल्फी खिंचवाते हैं। अनूठा तो है ही। फ्रांस के इंजीनियर गुस्ताव एफिल ने मार्च 1889 में बनाया था और तब से आज तक मेटल की मीनार का एक भी पुर्जा या रिपट बदलने की जरूरत नहीं पड़ी। लिफ्ट और सीढ़ियों से इसकी दूसरी मंजिल तक चढ़ सकते हैं। मोना लिसा, लूवरे पिरमिड, नोटरे डेम कैथेड्रल, आर्क डी त्रिथोफे, शोन ऐलीसे और पेंशन समेत पेरिस की तमाम टूरिस्ट सट्रेक्शंस एफिल टॉवर से पैदल दूरी पर हैं।

मोना लिसा और एफिल टॉवर

यूरोपीय ठाठ- बाठ का नज़ारा पेरिस के चप्पे- चप्पे पर बखूबी दिखाई देता है। फैशन, परफ्यूम, जूलरी और अन्य लग्जरी साज- समान के लिए खासमखास जगह है। पेन्टिंग्स का बड़ा ठिकाना है। 'लूवरे म्यूजियम' नाम का दुनिया का सबसे बड़ा आर्ट म्यूजियम इसकी शान है। लूवरे में बेजोड़ पेंटिंग्स, कलाकृत्तियों और एंटीक्स की नुमाइश से रू-ब-रू होना चाहें, तो कम से कम 3 दिन चाहिए।

सीधे बिना भटके और फटाफट विश्व विख्यात पेंटिंग मोना लिसा का ही दीदार करना चाहें, तो यहां- वहां से पहुंचने के लिए संकेत चिन्ह लगे हैं। मोना लिसा को एक नज़र देखने के लिए लोगों का हुजूम जुटता है। मोना लिसा ही नहीं, वीनस डी मिले, विगंड विक्टरी समेत मिस्र, ग्रीस और रोम तक के तमाम आर्टपीस और मास्टर पीस आंखों के सामने होते हैं।

फैशनेबल स्ट्रीट, विश्वविख्यात कैबरे

पेरिस की सबसे फैशनेबल स्ट्रीट शोन ऐलीसे क्या शानदार है। इसी स्ट्रीट पर तमाम बड़े फैशन हाउस, दूतावास, फाइव स्टार होटल, हाई फाई रेस्टोरेंट और फ्रेंच राष्ट्रपति का निवास भी है। साल 1840 से शोन ऐलीसे एवेन्यू पर विक्टरी परेड, राजकीय जुलूस वगैरह के भव्य आयोजन किए जाते हैं। यहीं स्टाइलिश गाउन और हेड वियर से सजी- धजी सुन्दरियों की जानी- मानी फैशन परेड होती है।

दुनिया का सबसे फेमस नाइट क्लब 'लीडो डी पेरिस' भी पेरिस की इसी सबसे दिलकश स्ट्रीट के बीचोंबीच है। लीडो डी पेरिस की शुरूआत 1946 में हुई थी और तब से अब तक यह एफिल टॉवर की माफिक पेरिस का लैंडमार्क बना है। शुरू-शुरू में, लीडो बैले डांस का रूप रहा और ऑडिटोरियम की सजावट वेनिस के समुद्री किनारे लीडो से मिलती-जुलती रही। आज यह महज़ टॉपलेस कैबरे नहीं, बल्कि जादुई, तड़क- भड़क और ग्लैमर की भरी- पूरी दुनिया है। क्वीन ऑफ लव, कसीनो, लेट द गेम बिगन, वर्ल्ड ऑफ एंटरटेनमेंट वगैरह एक से एक हर स्टेज शो हाई-फाई हैं। सुन्दरियों के पहने- पहनाए कपड़े डांस करते-करते बदल जाना जैसे मैजिक करतबों से सजे लीडो देखे बगैर पेरिस का जलवा वाकई अधूरा है।

पेरिस का कोना- कोना आकर्षणों से सजा है। नेत्रहीनों की भाषा ब्रेल लिपी के आविष्कारक लुई ब्रेल का स्मारक भी यहीं हैं। सेंट्रल पार्क के लक्जमबर्ग पैलेस की शान किसी से कम नहीं है। नोटरे-डेम कैथेड्रल फ्रांस की बड़ी चर्च है। यहां ईसा मसीह को पहनाया गया कांटों का मुकुट 'ट्रू क्रॉस' का एक हिस्सा रखा है। हर साल गुड फाइडे को इसकी भव्य नुमाइश लगती है। नजदीक ही दिल्ली के इंडिया गेट से मिलती- जुलती ऑर्क द ड्रियूम्फ भी देखने लायक है। इसे पहली नज़र से देखते ही बेपरवाह पर्यटक चलती सड़कों के बीचोंबीच सेल्फी खींचने को बेकरार हो उठते हैं।

आबोहवा में है प्यार

पेरिस को 'सिटी ऑफ लवर्स' भी कहते हैं। रोमांस आबोहवा में तैरता समझिए। गलियों- बाज़ारों में यहां-वहां प्यार करते युगल खूब दिखते हैं। बताते हैं कि 1960 के दशक में, पेरिस की गलियों में ही नवाब पटौदी ने शर्मिला टेगोर को निकाह की पेशकश की थी। स्ट्रीट फूड के वेंडर्स और रेस्टोरेंट कम नहीं हैं। और तो और, फ्रेंच फाइज़ और फ्रेंच टोस्ट का जन्म यहीं हुआ है। सादे-प्लेन ही नहीं, हॉट गार्लिक, सालसा, चीज, चॉकलेट वगैरह कई वैरायटी के फ्रेंच फाइज सर्व किए जाते हैं। रेस्टोरेंट्स दोपहर 2 बजे तक लंच और रात साढ़े 9 बजे तक डिनर सर्व करते हैं। सारे यूरोप की तरह बेकरी और आइसक्रीम के शौकीन यहां भी कम नहीं हैं।

फ्रेंच भाषा का बोलबाला है। फ्रेंच न समझ- बोल सकने वालों को ज़रा परेशानी होती है क्योंकि अंग्रेजी सभी नहीं बोलते- समझते। कार पार्किंग की दिक्कत के चलते लोग अपनी कार की बजाय पब्लिक ट्रांसपोर्ट में आते- जाते हैं। टैक्सी महंगी है, लेकिन मेट्रो और सब अर्बन रेल लाइन मिला-जुला कर आ- जा सकते हैं। मेट्रो, रेलवे स्टेशन और भीड़भाड़ वाले इलाकों में जेब कतरे अपनी देश के शहरों की माफिक ही हैं। इस लिहाज से, पेरिस बाकी यूरोपीय शहरों के मुकाबले ज्यादा सेफ सिटी नहीं है। जगह- जगह महिलाओं को अपने पर्स सम्भालने और जेब कतरों से आगाह किया जाता है। चेटलेट स्टेशन की भीड़भाड़ तो दिल्ली के राजीव चौक मेट्रो स्टेशन को मात देती है। यहां 3 ट्रेनें व 5 मेट्रो लाइंस एक साथ मिलती हैं और प्रवेश- निकास के 12 गेट हैं।

नजदीक ही है डिज्नीलैंड

पेरिस से महज 45 मिनट की ट्रेन दूरी पर है डिज्नीलैंड। हर 15 मिनट में, ट्रेन पेरिस से डिज्नी आती-जाती है। पूरा माहौल ही फुल मौज- मस्ती- मज़े पर टिका है। हर ओर हंसी- खुशी और एक से एक झूले- राइड्स की रौनकें हैं कि छोटा- बड़ा हर कोई घंटों खो जाए। एक के साथ दूसरा और दूसरे के साथ तीसरा थीम पार्क जुड़ा है। हर उम्र की दिलचस्पी के भरपूर खेल- तमाशे हैं। फेंटेसी लैंड में बचपन के सपनों को सच होते देख सकते हैं, तो एनकांउटर जोन में, दूसरे लोक में उतरे एलिंस से मुलाकात कर सकते हैं। हर दोपहर साढ़े 3 बजे मिक्की माउस समेत डिज्नी कार्टून करेक्टरों की झूमती- गाती परेड बड़ी अट्रेक्शन है। फिर रात 8 बजते-बजते रंग-बिरंगी आतिशबाजी दंग कर देती है।

यह भी गौरतलब है..

- हवाई उड़ान से दिल्ली से पेरिस पहुंचने में करीब पौने 9 घंटे लगते हैं।
- समय के लिहाज से, पेरिस दिल्ली से करीब साढ़े 4 घंटे पीछे है।
- करेंसी यूरो है। आजकल एक यूरो करीब 95 रुपये का है।
- फ्रांस घूमने-फिरने के लिए अप्रैल से अगस्त बेस्ट महीने हैं, फिर कड़ाके की ठंड पड़ती है।

सरस्वती शिशु मंदिर में पौधारोपण , वृक्ष हमें प्राणवायु देते हैं : प्रान्त सह संगठन मंत्री अनिल अग्रवाल

सुबह सवेरे सोहागपुर

सरस्वती शिशु मंदिर में विद्या भारती के प्रान्त सह मंत्री अनिल अग्रवाल के आतिथ्य में अल्प प्रवास के अवसर पर विद्यालयीन संचालन समिति के पदाधिकारियों की बैठक संपन्न हुई। बैठक के उपरांत सरस्वती शिशु मंदिर प्रांगण में पौधरोपण किया गया ।इस अवसर पर

विभाग समन्वयक नर्मदा पुरम रामकुमार व्यास , नेताजी सुभाष चंद्र बोस शिक्षा समिति अध्यक्ष कन्नूलाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष अभिषेक जैन व्यवस्थापक,कृष्ण कुमार पालीवाल , समिति सदस्य श्रीमती लज्जा सिंगारे समिति सदस्य, सत्यम रघुवंशी एवं निपुण खण्डेलवाल ,प्राचार्य अशोक कुमार दुबे आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर अनिल जी अग्रवाल ने कहा कि आज का पौधारोपण हमारी आने वाली पीढ़ी को वृक्षों के माध्यम से प्राणवायु प्रदान करने के साथ मानव जीवन को शुद्ध वायु देते रहेंगे । अतः हम सभी को इस मौसम में पौधें लगाकर उनकी सुरक्षा करने का संकल्प लेना चाहिए।

अपने अद्भुत शौर्य से मातृभूमि की रक्षा करने वाले वीरों को सलाम: मंत्री श्री सिंह

नरसिंहपुर। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह के मुख्य आतिथ्य में रोटरी क्लब ऑफ गाडरवारा द्वारा मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। इस दौड़ में कक्षा 10 वीं, 11 वीं व 12 वीं के 300 से अधिक छात्र-छात्राओं ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। यह मैराथन दौड़ पलोटनगंज से प्रारंभ होकर राठी तिराहा, गंज, झंडा चौक, चौकी से होते हुए महावीर भवन पहुंचकर सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागी छात्र- छात्राओं को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती पूजन के साथ हुई। इस अवसर पर मंत्री श्री सिंह ने कारगिल विजय का जिक्र कर वीर शहीदों के बलिदान का पुण्य स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। कारगिल विजय दिवस की अहमियत बताते हुए उन्होंने कहा कि हमारी सेना ने अपनी प्राणों की चिंता किये बगैर हमें विजय दिलायी। कारगिल में जिस शौर्य एवं पराक्रम से हमारे वीरों ने विजय प्राप्त की है। मातृभूमि की रक्षा करने वाले उन वीर शहीदों को सलाम है। भारतीय सेना का यह पराक्रम अद्भुत है। मैं उनके इस पराक्रम को नमन और प्रणाम करता हूं। इस दौरान उन्होंने राज्य शासन द्वारा खेल से जुड़ी व आने वाली नई सौगातों को सभी अवगत कराया। नगर पालिका अध्यक्ष श्री शिवाकांत मिश्रा ने बच्चों का उत्साहवर्धन कर मैराथन दौड़ की प्रशंसा की। रोटरी क्लब के अध्यक्ष श्री मनीष जायसवाल ने स्वागत भाषण दिया। उद्बोधन के पश्चात क्लब के फाउंडर अध्यक्ष श्री रामकुमार काबरा एवं डॉ. दुबे ने मंत्री श्री सिंह को रोटरी पिन लगाकर क्लब का होनरेरी मेंबर बनाया। इसके बाद मंत्री द्वारा क्लब के नए सदस्य एसबीआई शाखा प्रबंधक श्री विनोद अग्रवाल एवं श्री अमन जैन को रोटरी की सदस्यता दिलाई। कार्यक्रम का संचालन कोषाध्यक्ष श्री प्रियंक सोनी एवं आभार सचिव श्री अभिषेक बड़कुर ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ रोटरी क्लब के श्री अरुण तिवारी, श्री अशोक राजपूत, श्री मनोज बसा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और रोटरी क्लब के सदस्य मौजूद थे।

वीर सैनिकों की शौर्य गाथा का ऐतिहासिक अध्याय है कारगिल विजय दिवस : दीपक जैन

कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या पर युवा मोर्चा ने निकाली मशाल यात्रा

धार। भारतीय जनता युवा मोर्चा राष्ट्रीय एवं प्रदेश के आह्वान पर भारतीय जनता युवा मोर्चा ने कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर देश के वीर जवानों के साहस और पराक्रम को याद किया और नगर के प्रमुख मार्गों पर गुरुवार को मशाल यात्रा निकाली गई।। रैलियों में मोर्चा कार्यकर्ताओं के साथ सैनिक परिवारों के सदस्य, जनप्रतिनिधि एवं आमजन सम्मिलित हुए। मशाल यात्रा में युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष गंगा पांडे,भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी, भाजपा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी दीपक टीनू जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार मेड़ा, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष जयसूर्या विशेष रूप से उपस्थित रहे। देश भक्ति के नारो के साथ युवा मोर्चा की मशाल यात्रा मोती बाग चौक धार से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गो से होती हुई लालबाग विक्रम ज्ञान मंदिर पर समाप्त हुई। भाजपा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी दीपक टीनू जैन ने कहा कि कारगिल में विपरीत परिस्थितियों में हमारे बहादुर जवानों ने देश के इतिहास में शौर्य की अमर गाथा का एक ऐतिहासिक अध्याय जोड़ा है। मैं नम आंखों से सभी शहीद अमर जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि देता हूं। वे लड़ते-लड़ते देश के लिए शहीद हो गए, लेकिन दुश्मनों के पांव को भारत भूमि पर नहीं टिकने दिया।

भारत के सामर्थ्य की याद दिलाता है कारगिल विजय दिवस- मनोज सोमानी- भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी ने कहा कि भारतीय इतिहास में कई ऐसी तारीखें हैं, जो भारत के लोगों के मन में हमेशा याद रहती हैं। 26 जुलाई की तारीख भी वह ऐतिहासिक तारीख है, जो हर भारतीय के लिए गर्व का दिन है। 26 जुलाई 1999 को वीर भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तानी सेना व सरकार को घुटने टेकने के लिए मजबूर कर दिया था। ये दिन आज भी भारतीय इतिहास के पन्नों में दर्ज है। कारगिल विजय दिवस भारत के सामर्थ्य की याद दिलाता है।

समापन अवसर पर शहीद हुए जवानों के परिजनों एवं सेवानिवृत्ति सैनिक श्रीघनश्याम चौधरी का सम्मान किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री प्रकाश धाकड़ ,भाजपा जिला उपाध्यक्ष विश्वास पांडे ,सौरभ शर्मा, जीवन रघुवंशी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा, शिव पटेल मोर्चा जिला महामंत्री अंकित भावसार और कपिल यादव, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष संजय सोनी, जीवन पटेल जिला मंत्री तरुण सिसोदिया ,गौरव रघुवंशी, नवदीप चौहान, कमलेश पाटीदार पूनमचंद फकीरा मोर्चा नगर अध्यक्ष करण पटेल और बादल मालवीय सहित भाजपा के सभी वरिष्ठ नेता एवं मोर्चा पदाधिकारी उपस्थित रहें।

समाजसेवी युवा कांग्रेस नेता रोहित कामदार धार जिला युवा कांग्रेस शहरी अध्यक्ष बने

समर्थकों,शुभचिंतकों में खुशियों की लहर

धार। समाज सेवा के लिए धार शहर ही नहीं वरन जिले भर में प्रसिद्ध समाजसेवी वर्तमान में धार शहर युवा कांग्रेस अध्यक्ष रोहित कामदार को कांग्रेस संगठन ने पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा समर्पण कार्य शैली और युवाओं में गहरी पकड़ के चलते धार जिला युवा कांग्रेस शहरी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। रोहित कामदार की धार जिला युवा शहरी कांग्रेस अध्यक्ष पद पर नियुक्ति युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र दर्शन सिंह द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा कांग्रेस श्री श्रीनिवास बीबी राष्ट्रीय सचिव शेष नारायण ओझा की सहमति से की गई है । रोहित कामदार की इस संगठनात्मक उपलब्धि और जिला अध्यक्ष का दायित्व मिलने पर विधानसभा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार , प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, कांग्रेस जिला प्रभारी निर्मल मेहता, कांग्रेस पूर्व प्रदेश अल्पसंख्यक अध्यक्ष मुजीब कुरैशी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता नीमखेडा जी जिला कांग्रेस अध्यक्ष कमल पाटीदार, पूर्व जिला अध्यक्ष बालमुकुंद सिंह गौतम, सरदारपुर विधायक प्रताप ग्रेवाल कुक्षी विधायक हनी बघेल, बदनावर विधायक भंवर सिंह शेखावत, पूर्व विधायक पांचीलाल मेडा, मनावर विधायक हीरालाल अलावा, महिला जिला अध्यक्ष मीणा मारू, एनएसयूआईजिला अध्यक्ष कृष्णा पवार , राधेश्याम मुवेल जिला पंचायत सदस्य मनोज गौतम,शहर अध्यक्ष जसबीर सिंह छाबडा ,वरिष्ठ कांग्रेस सेनानी सुरेश परमार (सोनू रेस्टोरेंट) ,पीथमपुर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि सुरेश पटेल ,पीथमपुर शहर अध्यक्ष,बंसी वर्मा, साहित जिले भर के कांग्रेसियों ने बधाई देते हुए उज्जवल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी है। रोहित कामदार की नियुक्ति से धार शहर एवं जिले भर में समर्थकों,शुभचिंतकों में खुशियों की लहर व्याप्त हो गई है। गौरतलब है कि रोहित कामदार समाजसेवा एवं युवाओं में काफी लोकप्रिय है संगठन क्षमता, युवाओं में पकड एवं लोकप्रियता के चलते कांग्रेस का जनाधार मजबूत करेंगे ऐसी कांग्रेस संगठन को रोहित कामदार से आशाएं हैं।

धार जिले में फर्जी / झोलाछाप डॉक्टरों एवं अपंजीकृत चिकित्सकीय संस्थानों के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही किये जाने हेतु निरीक्षण दल का गठन

धार। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने राज्य स्तरीय निर्देशों के अनुसरण जिले में फर्जी / झोलाछाप डॉक्टरों एवं अपंजीकृत चिकित्सकीय संस्थानों, अवैध रूप से चिकित्सा व्यवसाय कर रहे चिकित्सकों के विरूद्ध नियमानुसार एवं प्रतिबंधात्मक कार्यवाही किये जाने हेतु अनुभाग क्षेत्रवार निरीक्षण दल का गठन किए जाने का आदेश जारी किया है। आदेश के तहत संबंधित अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अथवा इनके द्वारा नामित पदेन संबंधित विकासखण्ड के मुख्य/खण्ड चिकित्सा अधिकारी सम्मिलित होंगे। जिले में फर्जी / झोलाछाप डॉक्टरों एवं अपंजीकृत चिकित्सकीय संस्थानों, अवैध रूप से चिकित्सा व्यवसाय कर रहे चिकित्सकों के विरूद्ध नियमानुसार एवं प्रतिबंधात्मक कार्यवाही किये जाने हेतु अधिकारियों को उनके अनुभाग क्षेत्रवार अधिकृत किया गया है। गठित निरीक्षण दल अपात्र व्यक्तियों द्वारा किये जा रहे अवैध चिकित्सा व्यवसाय पर अंकुश लगाने के लिए म.प्र. उपचर्यागृह तथा रूजोपचार संबंधी स्थापनाए (रजिस्ट्रीकरण एवं अनुज्ञापन) अधिनियम 1973 की धारा 3 का उल्लघंन पाये जाने, न्यायालय में दोषसिद्धी (Conviction) होने पर गैर मान्यता प्राप्त संस्थाओं, अपात्र व्यक्तियों द्वारा संचालित चिकित्सकीय स्थापनाओं का संचालन पाए जाने पर उचित विधिक कार्यवाही हेतु संबंधित जिला अभियोजन अधिकारी को वैधानिक कार्यवाही हेतु प्रकरण प्रस्तुत करेंगे।

नजूल शीट के अनुसार नालों का चौड़ा कर पाना...

है तो तेड़ी खीर फिर भी विधायक जी पर है तो विश्वास ..

नर्मदापुरम- संजीव डे राय

एक सौ बीस मिनट की बारिश ने नगर को हिलाकर रख दिया और अब हुई हालात ने जिम्मेदारों को हिला दिया। काफी समय के बाद इस विपदा की तरफ विधायक जी का ध्यान गया उन्होंने नगर को जल भराव मुक्त करने की दिशा में जो बात कही अगर वह सार्थक हो जाए तो गारंटी है अव्यवस्थित नगर स्वतं व्यवस्थित हो जायेगा लेकिन सवाल यह है कि कहीं ऐसा तो नहीं..? कि न नो मन तेल होगा न राधा नाचेगी ..? विधायक जी की उपस्थिति में जिम्मेदारी से नजूल नक्शे के अनुसार अब नगर के नालों को ढूंढने की बात कही जा रही है। इस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए और किया जा रहा है। लेकिन यह तब संभव है जब ताली दोनों हाथों से बजे.. महत्वपूर्ण बात यह है कि नगर के वे हिस्से पहले वैसे ही खाली हो जिसमें बरसाती पानी जमा होकर, ठहरकर, फैलकर नर्मदा में जाता था उसमें भोपाल तिराहा, लेडिया बाजार, नकटी का पुल, पहले की तरह हो, फिर नालों की ढुंढाई हो। जिसमें मालाखेड़ी से नगर में प्रवेश होने वाले प्रमुख नाला गौर कालोनी, गोल्डन सिलिकॉन सिटी, सरोज परिकर, श्रीकृष्णा इंक्लेव, गोदावरी विहार, नंद विहार, पटवारी कालोनी, पुलिस लाइन, तिवारी कालोनी, नारायण नगर, आदमगढ़, भोपाल तिराहा, परमश्री गार्डन, डोंगर वाड़ा से नर्मदा नदी ऐसे ही फिर होमगार्ड आफिस, आईसीआईसीआई बैंक, पीलीखंती, प्रोफेसर कालोनी, फारेस्ट रेस्टहाउस हाउस से आदमगढ़ इधर सर्किट हाउस अग्निहोत्री गार्डन, होमसाइंस कालेज, पुराना बेर वन, राज महल होटल, इतवारा बाजार, कुम्हार गली, हलवाई चौक काम्प्लेक्स, पुराना कान्यकुब्ज भोजनालय खंडेलवाल गली चम्पा होटल, लेडिया बाजार ऐसे ही एस एन जी स्कूल, जिला अस्पताल, पुराना बम पुलिस, बाबा वीडियो इधर ईशान परिसर, शांति नगर आदमगढ़, फिर जिंद बाबा, सेमीरिटन स्कूल के पीछे, कालिका नगर पटवारी कालोनी... ये मुख्य तह नगर के आंतरिक भाग से बहकर लेडिया नाला होकर नकटी के पुल होते हुए भीलपुरा पहुंच नर्मदा में मिलते हैं। आज इन नालों की वास्तविक स्थिति क्या है। ये नाले उस समय के है जब आबादी कम थी और अब उलट सभी ने जरुरत के हिसाब से नाले की जमीन दबा दी यह सोचकर मेरे अकेले से क्या होगा.. यहां दूध का तालाब की कहानी चरितार्थ हो गई। विधायक जी ने पहली बार इस मामले में कठोर कदम उठाने का संकल्प लिया वह भी ऐसे समय जब नगरपालिका परिषद पूरी तरह उनकी है न अखिलेश की न माया जी की न कांग्रेस की जो उन्हें काम करने और करवाने से रोक पाए। लेकिन यह उतना सरल और आसान नहीं.. लोगों ने यहां जीवन की पूरी कमाई लगाकर मकान तो बना लिए लेकिन नाले गायब करके, जिसमें नगरपालिका और नजूल की एनओसी लेने का मकसद नहीं निकला, नगरपालिका ने तो इस मामले को आय का साधन बना रखा है। यह बात पंडित भवानी शंकर जी जरुर नहीं कह पाएं लेकिन उन्होंने अपने पत्र के जरिए कभी कसेरा बाजार से होकर गाड़ी से निकलने पर होती कठिनाई का जिक्र वहां होने वाले निर्माण कार्य को लेकर कर चुके हैं। लम्बे अन्तराल के बाद बेहाल नगर की सुध पर विधायक जी का चिंतन वह भी तब जब नगरपालिका पूरी उनकी संरक्षण में है आशा किरण बन सकती है। बस अब देखना यह है कि सम्माननीय विधायक जी एक तीर से कितने शिकार करते हुए अनावश्यक पिस रहे उन लोगों को राहत कैसे दिला पाते जो केवल और केवल घुन की तरह कई मसलों में नगर में पिसते आ रहे हैं।

चलती ट्रेन से कूदे दो यात्री, दोनों की मौत

सागर के बीना में वेंडर ने गिरा दी गर्म चाय; अफरा-तफरी के बीच युवकों ने लगाई छलांग

बीना (नप्र)। सागर के बीना में दो यात्री चलती ट्रेन से कूद गए। जिससे उनकी मौत हो गई। वे ट्रेन के गेट पर बैठकर यात्रा कर रहे थे। दरअसल, ट्रेन में वेंडर से यात्रियों पर गरम चाय गिर गई थी। जिससे कोच में अफरा-तफरी मच गई।

ये घटना बीना के करोंदा रेलवे स्टेशन के पास की है। शुक्रवार सुबह करीब 6.30 बजे गोरखपुर-पुणे एक्सप्रेस यहां से गुजर रही थी। इसी दौरान एक वेंडर चाय बेचने के लिए जनरल कोच में चढ़ा। वेंडर के एक हाथ में थर्मस था, जिसका ढक्कन अचानक खुल गया।

कोच में नीचे सो रहे विश्वनाथ (27) निवासी गोंडा, मनीष (25) निवासी महाराजगंज पुणे, दीपक (32) निवासी गोरखपुर के ऊपर चाय गिर गई। तीनों बुरी तरह झुलस गए। वे हड़बड़ाकर उठे तो कोच में अफरा-तफरी मच गई। सभी इधर-उधर भागने लगे।

यात्रियों ने वेंडर को पुलिस के हवाले किया

घायल दीपक ने बताया- मैं सो रहा था कि अचानक गर्म चाय गिरी। मैं झुलस गया। इस दौरान कोच में मची हलचल में गेट पर बैठे दो युवक कूद गए। करोंदा स्टेशन पहुंचने पर भानगढ़ पुलिस को जानकारी दी गई। यात्रियों ने ट्रेन के बीना पहुंचने पर वेंडर को पकड़कर जीआरपी के हवाले कर दिया। बीना जीआरपी थाना प्रभारी बबीता कठेरिया ने बताया- घटना के बाद घायल मनीष पिता भोलाराम राजधर महाराजगंज उत्तर प्रदेश की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ धारा 2023 125, 125(ए) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है कि वह वैध या अवैध वेंडर था।

झांसी से चढ़ा था आरोपी चाय बेचने

जानकारी के अनुसार चाय बेचने वाला डबरा निवासी 22 वर्षीय आरोपी झांसी रेलवे स्टेशन से ट्रेन में चाय बेचने के लिए चढ़ा था। ट्रेन के सभी स्लीपर कोच में चाय बेचने के बाद जब ट्रेन सिग्नल नहीं मिलने की वजह से मोहासा रेलवे स्टेशन पर खड़ी हुई तो आरोपी स्लीपर कोच से उतरकर जनरल डिब्बे में चला गया और कोच में यह घटना हो गई है। बताया जा रहा है कि वेंडर ने एक यात्री को चाय देते समय कंटेनर के हैंडल की जगह ढक्कन पकड़ लिया तो उसी समय कंटेनर में भरी चाय गिर गई। इसके बाद अफरा तफरी मच गई।

शवों की नहीं हो सकी शिनाख्त

इस मामले की जांच कर रहे भानगढ़ थाने के प्रधान आरक्षक केके वर्मा ने बताया कि शवों को मर्चुरी में रखवा दिया गया है। परिजनों के आने के बाद ही शवों की शिनाख्त की जाएगी। इसके बाद ही पोस्टमार्ट्म कराया जाएगा।

कांग्रेस करेगी मोर्चा- प्रकोष्ठों की समीक्षा, निष्क्रिय पदाधिकारियों की होगी छुट्टी

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ ने विभिन्न वर्गों को साधने के लिए मोर्चा-प्रकोष्ठों का गठन किया था। परिणाम विधानसभा और लोकसभा चुनाव में पार्टी के अनुकूल नहीं रहे। अब इन सभी संगठनों की उपयोगिता का आकलन किया जा रहा है।

शनिवार को भोपाल में समीक्षा बैठक बुलाई गई है

बैठक में सभी को चुनाव में किए कामों की रिपोर्ट लेकर आने के लिए कहा गया है। पार्टी ने यह भी तय किया है कि निष्क्रिय पदाधिकारियों की छुट्टी की जाएगी। प्रदेश कांग्रेस के समस्त विभागों और प्रकोष्ठों के प्रभारी जेपी धनोपिया ने बताया कि संगठन के अंतर्गत आने वाले विभागों के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों के साथ पहले बैठक होगी।

इसमें उनके प्रदर्शन का आकलन किया जाएगा और सुधार के लिए सुझाव लिए जाएंगे। वहीं, दोपहर बाद से प्रकोष्ठों के प्रदेश अध्यक्षों के साथ बैठक होगी। इसमें उनसे लोकसभा चुनाव 2024 में अपने विभाग, प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों द्वारा किए गए कार्यों और गतिविधियों की जानकारी ली जाएगी।

सूत्रों का कहना है कि ऐसे प्रकोष्ठ जिनकी प्रकृति एक जैसी है, उन्हें आपस में मिलाया जा सकता है तो विभिन्न संगठनों के उन पदाधिकारियों की छुट्टी की जाएगी जो निष्क्रिय हैं।

म.प्र.में भारी बारिश से रायसेन-बारना नदी में बाढ़, बाड़ी से संपर्क टूटा

● विदिशा में सड़कों पर दो फीट पानी,स्कूली ऑटो नाले में बहा ● निवाड़ी में मकान ढहा, दंपत्ति और दो बच्चे दबे, ● भोपाल समेत 5 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट ● रायसेन में सड़कों पर 3, विदिशा में 2 फीट पानी भरा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में मानसून एक्टिविटी की वजह से भोपाल, गुना और विदिशा में शुक्रवार सुबह से तेज बारिश हो रही है। विदिशा में सड़कों पर 2 फीट पानी भर गया।रायसेन में भी सुबह से हो रही तेज बारिश से नदी-नालों में बाढ़ आ गई। बाड़ी का रायसेन से संपर्क टूट गया। बेगमगंज में स्कूली बच्चों को छोड़कर लौट रहा एक ऑटो नाले में बह गया।

उज्जैन और राजगढ़ में हल्की बारिश हो रही है। रतलाम में गुरुवार रात भारी बारिश का पानी घर-दुकानों में घुस गया। निवाड़ी के पृथ्वीपुर में मकान ढह गया। मलबे में पति-पत्नी और दो बच्चे दब गए। महिला और एक बच्चा गंभीर घायल हैं।

मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में भोपाल समेत 5 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। भोपाल संभाग के सीहोर, रायसेन, राजगढ़ के अलावा आगर मालवा, सागर, मंदसौर, नीमच, अशोकनगर और गुना में बाढ़ की चेतावनी जारी की है।

मध्यप्रदेश में अब तक सामान्य 15.2 इंच बारिश हो चुकी है। यह एवरेज से 1 प्रतिशत ज्यादा है। प्रदेश के पश्चिमी हिस्से- भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम, ग्वालियर-चंबल संभाग में एवरेज से 3 प्रतिशत ज्यादा पानी गिर चुका है जबकि पूर्वी हिस्से- रीवा, सागर, जबलपुर और शहडोल संभाग में 1 प्रतिशत कम बारिश हुई है। हालांकि, लगातार तेज बारिश होने से आंकड़ा बढ़ रहा है। विदिशा में सड़कों पर 2 फीट तो रायसेन में तीन फीट पानी भर गया।

उज्जैन और राजगढ़ में हल्की बारिश हो रही है। रतलाम में गुरुवार रात भारी बारिश का पानी घर-दुकानों में घुस गया। निवाड़ी के पृथ्वीपुर में मकान ढह गया। मलबे में पति-पत्नी और दो बच्चे दब गए। महिला और एक बच्चा गंभीर घायल हैं।

भोपाल में सुबह से बारिश, बड़ा तालाब में पानी बढ़ा इस मानसूनी सीजन में पहली बार पूरा भोपाल एकसाथ तरबतर हो रहा है। गुरुवार को करीब 7 घंटे लगातार बारिश होने के बाद शुक्रवार सुबह से फिर पानी गिर रहा है। कभी तेज तो कभी रिमझिम बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने आज यहां भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। भोपाल में अब तक 20 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है।

सीहोर जिले के इछावर में बारिश से सड़क बही- सीहोर जिले की इछावर जनपद पंचायत के ब्रिजिशनगर में तेज बारिश से पुलिया के पास की सड़क बह गई।सड़क पर बड़ा गड्ढा हो गया है। ऐसे में यहां से चार पहिया वाहन नहीं निकल पा रहे। यह सड़क क्षेत्र के 15 गांवों को सीहोर-भैरूंदा मुख्य मार्ग से जोड़ती है।

विदिशा के गुलाबगंज में अंडरब्रिज में तीन फीट पानी

विदिशा जिले के गुलाबगंज में शुक्रवार को एक घंटे तेज बारिश हुई। इससे गुलाबगंज के रेलवे अंडरब्रिज में तीन फीट तक पानी भर गया। गुलाबगंज का विदिशा से सड़क संपर्क टूट गया। पानी भरने के कारण आवागमन पूरी तरह से बंद है। करीब दो घंटे से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लगी है।

छिंदवाड़ा में दूधी नदी पर बना पुल डूबा

छिंदवाड़ा में बारिश की वजह से दूधी नदी में बाढ़ आ गई। पुल के ऊपर से पानी बह रहा है। सिंगोड़ी और सिंगोली बम्हनी मार्ग का संपर्क टूट गया।

रायसेन में मेन मार्केट में 3 फीट पानी

रायसेन में शुक्रवार को दो घंटे तेज बारिश हुई। इससे निचली जगहों पर पानी भर गया। मुख्य बाजार में 3 फीट तक पानी भर गया। यहां व्यापारियों ने दुकानें बंद रखी। भारी वाहनों को रोकने के लिए बेरिकेड भी लगा दिए।

टीकमगढ़ में परकुलेशन टैंक बहा

टीकमगढ़ की ग्राम पंचायत मऊ बुजुर्ग में मनरेगा योजना के तहत बनाया गया परकुलेशन टैंक बारिश के पानी में बह गया। इसे चार लाख रुपए की लागत से बनाया गया था। जनपद पंचायत जतारा के सीईओ सिद्ध गोपाल वर्मा ने कहा- मामले की जांच कराई जाएगी। दोषियों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा।

मैहर में नदी में बहा ग्रामीण

मैहर के ग्राम डूडी में देर रात रपटा पार करने के दौरान एक ग्रामीण बह गया। अमदरा पुलिस और एसडीईआरएफ की टीम उसकी तलाश में जुटी है।

इन जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल, राजगढ़, सीहोर, रायसेन के सांची और भीमबेटका, बालाघाट में आकाशीय बिजली चमकने या गिरने के साथ भारी बारिश हो सकती है।

कुएं में दम घुटने से 4 लोगों की मौत

पंप डालने उतरा था किसान, मदद के लिए उतरे तीन की एक के बाद एक गई जान

सीएम डॉ. मोहन ने पीड़ितों को 4-4 लाख मुआवजा देने की घोषणा की

कटनी (नप्र)। कटनी में कुएं में उतरे 4 किसानों की दम घुटने से मौत हो गई। किसान गुरुवार शाम को कुएं में उतरे थे। ऑक्सीजन की कमी होने से बेहोश हो गए। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने एनडीआरएफ की टीम को बुलाया। रात करीब 12 बजे रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू हुआ। किसानों को बाहर निकाला, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

एनकेजे थाना प्रभारी नीरज दुबे ने बताया, जुहली गांव का रामकुमार दुबे (40) सब मर्सिबल पंप डालने के लिए कुएं में उतरा था। कुछ देर बाद वो बेहोश हो गया। रामकुमार को बचाने भतीजा निखिल दुबे (22) उतरा। वह भी बेहोश हो गया। इसके बाद राजेश कुशवाहा (31), फिर देवेंद्र उर्फ पिंटू कुशवाहा (25) कुएं में उतरे थे। आशंका जताई जा रही है कि कुएं के अंदर ऑक्सीजन की कमी थी। जहरीली गैस भी बनी हुई थी, जिसके कारण

दम घुटने से चारों की मौत हो गई। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

मृतकों में चाचा-भतीजे और दो चचेरे भाई- रामकुमार दुबे खेती करता था। शादी नहीं हुई थी। परिवार में मां और बड़ा भाई संजय दुबे हैं। निखिल दुबे आईटीआई कर रहा था और खेती में पिता का सहयोग करता था। निखिल का एक छोटा भाई नीलेश दुबे है। राजेश कुशवाहा खेती करता था। उसकी दो साल की बेटी है। देवेंद्र उर्फ पिंटू कुशवाहा राजेश कुशवाहा का चचेरा भाई है। सीएम डॉ. मोहन ने पीड़ितों को 4-4 लाख मुआवजा देने की घोषणा की।

सपा सांसद ने कहा-सरकार एमएसपी नहीं देना चाहती

शिवराज बोले-हमें किसान विरोधी कह रहे, मोदी से बड़ा हितैषी कोई नहीं

भोपाल (नप्र)। किसानों को एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) की गारंटी देने के मुद्दे पर राज्यसभा में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से सपा सांसद रामजी लाल सुमन ने सवाल पूछा। सपा सांसद ने शिवराज से कहा कि ये किसानों को भगवान बता रहे हैं इनको किसानों की समस्याओं से कोई लेना देना नहीं हैं। कृषि मंत्री बचिए मत ये सीधा जवाब दीजिए कि किसानों को एमएसपी देना चाहते हैं या नहीं। सपा सांसद की बात सुनकर शिवराज ने जवाब दिया और कहा हमें किसान विरोधी कहा जा रहा है। मैं सदन को ये बताना चाहता हूं कि नरेन्द्र मोदी से बड़ा किसान हितैषी कोई है नहीं। एमएसपी के दाम नरेन्द्र मोदी की सरकार ने बढ़ाए हैं।

सपा सांसद का सवाल

सपा के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन ने कहा- मैंने जो सवाल पूछा था उसका उत्तर नहीं मिला। ये सरकार किसानों की समस्याओं पर गंभीर नहीं हैं। किसानों की समस्याओं पर 12 जुलाई 2000 को जो कमेटी बनी हैं उसकी कितनी बैठके हुई उनकी कार्यसूची का क्या ब्यौरा है। छह बैठकों का ब्यौरा क्या है। 2021 में बड़ा किसान आंदोलन हुआ 750 किसान मारे गए।

शिवराज ने कहा- 22 जुलाई से अब तक 6 बैठकें और 35 उपसमिति की बैठकें हो चुकीं हैं। समिति की रिपोर्ट नहीं आई है। रिपोर्ट आने के बाद सरकार काम करेगी। कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। किसान उसकी आत्मा है। किसान की सेवा हमारे लिए भगवान की पूजा है। समिति का गठन तीन विशिष्ट उद्देश्यों के लिए हुआ।

समिति को कृषि लागत और मूल्य आयोग को अधिक स्वायत्तता देने की व्यवहारिकता इसको और अधिक वैज्ञानिक बनाने के उपाय व उच्चतर मूल्य सुनिश्चित करने की दृष्टि से कृषि विपणन प्रणाली को सुदृण करने के सुझाव देने की बात कही गई। कृषि के विविधीकरण और प्राकृतिक खेती पर यह समिति विचार कर रही है।

किसानों को भगवान बताते हैं एमएसपी देंगे या नहीं

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की बात सुनकर सपा सांसद सुमन ने कहा- समिति रिपोर्ट देगी फिर ये काम करेंगे। ये अनश्चितता का वातावरण कैसे दूर होगा। ये किसानों को भगवान बता रहे हैं इनको किसानों की समस्याओं से कोई लेना देना नहीं हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य 1966-67 से शुरु हुआ। किसान को कभी एमएसपी का लाभ नहीं मिला। इसलिए किसानों ने एमएसपी की कानूनी मांगी है। कृषि मंत्री सीधा जवाब दें बचिए मत कि आप किसानों को एमएसपी देना चाहते हैं या नहीं।

शिवराज बोले- मोदी से बड़ा किसान हितैषी कोई नहीं शिवराज ने कहा- हमें किसान विरोधी कहा जा रहा है। नरेन्द्र मोदी से बड़ा किसान हितैषी कोई है नहीं। एमएसपी के दाम नरेन्द्र मोदी की सरकार ने बढ़ाए हैं। पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह सरकार किसानों के कल्याण के काम में लगी है। एमएसपी की दरें किसान को ठीक दाम देने के लिए लगातार बढ़ाई गई है। किसान की छह सूत्रीय रणनीति है। 1- उत्पादन बढ़ाना 2- उत्पादन की लागत घटाना 3- उत्पादन के ठीक दाम देना 4- प्राकृतिक आपदा हो तो नुकसान की भरपाई करना 5- कृषि का विवधीकरण 6-प्राकृतिक खेती सुरजेवाला ने टोका तो शिवराज ने कहा आपकी सरकार से दोगुने दाम दिए राज्यसभा में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के जवाब के दौरान कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सूरजेवाला ने बीच में टोकाटाकी की तो शिवराज ने कहा सुरजेवाला जी की सरकार जब थी इस सरकार ने उससे दुगने दाम दिए हैं। समिति की रिपोर्ट आएगी तब हम फैसला करेंगे लेकिन, तब तक हम चुप नहीं बैठे हैं हम किसान के हित में लगातार निर्णय कर रहे हैं। ये सरकार किसानों की सरकार है।

सुरजेवाला से उपराष्ट्रपति बोले- आपको किसान का क-ख-ग नहीं पता

रणदीप सुरजेवाला से सभापति जगदीप धनखड ने कहा कि आपको किसान का क-ख-ग भी नहीं पता। देश को क्या संदेश दे रहे हैं। 23 फसलों पर एमएसपी दी जा रही है। चाय-कॉफी का मंत्रालय पीयूष गोयल के पास है।रणदीप सुरजेवाला से कहा- किसान की चर्चा आप नहीं करना चाहते मत कीजिए आप किसान का अनादर कर रहे हैं छुरा घोंप रहे हैं। सुरजेवाला से सभापति ने कहा आप फांसी पर चढ़ा दीजिए हम किसान की बात तो उठाएंगे।

खनन माफिया बोला- दम हो तो ट्रैक्टर ट्रॉली ले जाओ

नायब तहसीलदार को दी धमकी; राजगढ़ में अवैध मुरम खनन पर कार्रवाई करने गए थे

सारंगपुर (नप्र)। राजगढ़ जिले की संडावता तहसील में अवैध मुरम के खनन पर कार्रवाई करने गए नायब तहसीलदार से खनन माफियाओं ने विवाद किया। इसके बाद उन्होंने कार्रवाई करते हुए मौके से 4 ट्रैक्टर ट्रॉली और एक जेसीबी मशीन को जब्त कर लिया है।

संडावता तहसील के नायब तहसीलदार सुरेश सिंह ने बताया कि आसपास के गांवों से लगातार अवैध उत्खनन की सूचना मिल रही थी। ऐसी ही एक सूचना पर गुरुवार को संडावता-खुजनेर रोड़ पर खंजरपुर जोड़ के सामने अवैध खनन रोकने के लिए संडावता चौकी से पुलिस बल लेकर मौके पर पहुंचे थे।

खनन माफिया बोला- दम हो तो ले जाकर बताओ। जहां एक जेसीबी और 8 ट्रैक्टर ट्रॉली से अवैध रूप से मुरम का खनन कर परिवहन किया जा रहा था। दल को देखकर तीन ट्रैक्टर चालक ट्राली लेकर मौके से फरार हो गए। वहीं जेसीबी मशीन और पांच ट्रैक्टर ट्रालियों को घेराबंदी कर रोका गया, जिसमें से एक ट्रैक्टर चालक तेजी से वाहन चलाते हुए भाग निकला। इसके बाद मौके पर पकड़े गए ड्राइवरों से खनन के वैध दस्तावेज मांगे गए, जो वह नहीं दिखा

सके। इसके बाद जेसीबी मशीन और चारों ट्रैक्टरों को जब्त कर ले जाने लगे।

नायब तहसीलदार सुरेश सिंह ने बताया कि इस दौरान उनके वाहन को रोककर बरखेड़ा खुर्रम निवासी सुरेन्द्रसिंह पिता दौलत सिंह पाल विवाद करने लगा। उसने धमकी देते हुए कहा- आप जेसीबी मशीन और ट्रैक्टर ट्रॉली लेकर नहीं जा सकते है, दम हो तो ले जाकर बताओ।

इसके बाद देर तक चले विवाद के बाद सभी ड्राइवरों के बयान दर्ज कर एक जेसीबी मशीन और चार ट्रैक्टर ट्राली को छापीहेड़ा पुलिस के सुपुर्द किया गया।

अवैध खनन के लिए किराए से लाए थे जेसीबी

नायब तहसीलदार ने अवैध खनन कर ट्रैक्टर ट्रॉली में भर रही जेसीबी को जब्त कर लिया। जेसीबी चालक ने बताया कि वह झिरी निवासी कैलाश चंद्र पिता रामलाल चौहान के कहने पर मुरम खोदने के लिए गया था। कैलाश चंद्र चौहान किराए से जेसीबी चलाते हैं। जिसने बताया कि बरखेड़ा खुर्रम निवासी सुरेन्द्र सिंह पिता दौलतसिंह पाल और रामबाबू पिता रूपसिंह पाल ने मुरम खोदने के लिए बुलाया था।

जारी रहेगी कार्रवाई

नायब तहसीलदार सुरेश सिंह ने बताया कि संडावता क्षेत्र के 46 ग्रामों में सतत भ्रमण कर अवैध खनन पर निगरानी रखी जाएगी। अवैध खनन करते पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के कड़लावद, भ्याना, मलकाना से भी अवैध खनन की जानकारी लगातार प्राप्त हो रही है। इस पर भी शीघ्र सख्त कार्रवाई की जाएगी।